RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : Highly Qualified And Trained Faculty, well Quipped Labs, CCTV Controlled Environment, Activity Based Learning, Well Equipped Library, GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 26 | अंक : 182 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, रविवार, 23 जून, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकी ढेर

जम्मू-कश्मीर(एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में चल रहे घुसपैठ विरोधी अभियान के दौरान रविवार को सुरक्षा बलों ने दो आतंकवादियों के शव, हथियार और गोला-बारूद बरामद किए। इलाके में ऑपरेशन अभी जारी है। नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा बलों ने सीमा पार से घुसपैठ की कोशिश कर रहे आतंकवादियों के एक समूह को चुनौती दी थी और उन्हें निशाना बनाकर गोलीबारी की थी। जिन दो आतंकियों के शव आज बरामद हुए हैं, वे कल के ऑपरेशन के दौरान मारे गए थे।

अधिकारियों ने कहा कि सेना के जवानों ने शनिवार को उत्तरी कश्मीर के उरी सेक्टर के गोहालन इलाके में नियंत्रण रेखा के पास संदिग्ध गतिविधि देखी। चुनौती दिए जाने पर आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद सेना को जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। दोनों तरफ से कुछ देर तक गोलीबारी हुई जो अब बंद हो गई है। इस ऑपरेशन में दो आतंकवादी मारे गए, लेकिन उनके शव तुरंत बरामद नहीं किए जा सके, क्योंकि यह इलाका एलओसी के करीब था।

इससे पहले उत्तरी कश्मीर के सोपोर में 19 जून को आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हुई थी। इस एनकाउंटर में भी 2 आतंकी मारे गए थे। गत 9 जून को जम्मू-कश्मीर के रियासी में आतंकियों ने तीर्थयात्रियों को लेकर वैष्णो देवी जारी एक बस पर घात लगाकर हमला किया था। ड्राइवर को गोली लगने के कारण बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी थी। इस आतंकी हमले में 9 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी और 30 से अधिक घायल हुए थे।

इसके बाद दो दिनों के अंदर जम्मू रीजन में सिलसिलेवार कई आतंकी हमले हुए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस सिलसिले में गत दिनों अधिकारियों के साथ बैठक कर सुरक्षा स्थिति का जायजा लिया था। उन्होंने अधिकारियों को आतंकियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई का निर्देश दिया था। सुरक्षा बल पूरे जम्मू-कश्मीर में एंटी टेरर ऑपरेशन चला रहे हैं। पिछले दो हफ्ते में अलग-अलग मुठभेड़ों में आधा दर्जन से अधिक आतंकी मारे जा चुके हैं।

दिल्ली के आश्रय गृह में सुविधाएं नहीं, गर्मी से दम तोड़ रहे बेघर

फुटपाथों पर अब तक दम तोड़ चुके हैं 192 लोग

नई दिल्ली, एजेंसी।

भीषण गर्मी व लू फुटपाथ पर दिन गुजारने वाले बेघरों की जान ले रही है। स्थिति यह कि नौ दिनों में ही दिल्ली के फुटपाथों पर 192 बेघर दम तोड़ चुके हैं। इसके लिए आश्रय गृहों में सुविधाओं की कमी भी कम जिम्मेदार नहीं है। तुर्कमान गेट, जामा मस्जिद, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन सहित कश्मीरी गेट के आसपास स्थित कई आश्रय गृहों में सीलिंग व एग्जास्ट पंखे, कूलर व पीने के पानी की कमी के साथ बिस्तर समेत अन्य सुविधाओं में किल्लत है। कई आश्रय गृहों में क्षमता से अधिक बेघर हैं तो गर्मी से बचाव के लिए उपलब्ध सीमित सुविधाएं भी खराब स्थिति में है। जिसके कारण बेघर, यमुना किनारे, कश्मीरी गेट, यमुना बाजार हनुमान मंदिर के सामने स्थित फ्लाईओवर के नीचे समेत कई ऐसे स्थानों पर आश्रय लेते मिले। इसी तरह, जामा मस्जिद के आस-पास भोजन की मजबूरी में कई भिखारी तेज धूप में भीख मांगते दिखे।

आश्रय गृह से संचालन से जुड़े लोगों के अनुसार, पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के नजदीक स्थित एक आश्रय गृह के संचालक ने बताया कि उसके आश्रय गृह में आठ कूलर, एक पानी ठंडा करने की मशीन, आठ एग्जास्ट पंखे की आवश्यकता है। इसी तरह नजदीक के दो आश्रय गृहों में 21 कूलर की आवश्यकता है, जिसके लिए दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डूसिब) के अधिकारियों को पत्र लिखा गया है।

संचालको के अनुसार, जब मौतों का सिलसिला अधिक होता है, तब अधिकारी गंभीर होते हैं। पहले से व्यवस्था नहीं होती। ऐसे में चीजें गड़बड़ होती है। पुरानी दिल्ली के सीताराम बाजार स्थित एक आश्रय गृह के संचालन से जुड़े विक्की शर्मा ने बताया कि उनके आश्रय गृह के साथ अन्य की स्थिति ठीक नहीं है।

वहीं, बाहरी दिल्ली में गर्मी से बचाव को लेकर आश्रय गृहों में कहीं प्रबंध ठीक नजर आए तो कई जगह खामियां दिखीं।आजादपुर मंडी के बाहर सराय पीपलथला स्थित आश्रय गृह में 40 बिस्तर क्षमता है। यहां न कूलर ठीक हैं, न वाटर कूलर। लोगों को न ठंडी हवा नसीब हैं और न ही ठंडा पानी।

यहां पांच कूलर हैं, इनमें दो खराब हैं और तीन कूलर में लीकेज अन्य खामी हैं, जिस कारण बिना पानी के ही चलाना पड़ता है। वाटर कूलर लंबे से खराब है। आश्रय गृह में आए विनोद ने बताया कि यहां गर्मी से राहत के प्रबंध नाकाफी हैं। रोहिणी सेक्टर-तीन स्थित आश्रय गृह में महिला और पुरुष केबिन में ठंडे पानी के अलावा कूलर की व्यवस्था ठीक मिली।

इसी तरह, दक्षिणी दिल्ली के नेहरू प्लेस स्थित आस्था कुंज पार्क में बनाए गए शेल्टर होम में चार कूलर लगे हुए हैं। जिनमें से तीन खराब मिले। सिर्फ परिवार वाले शेल्टर का कूलर चल रहा है, बाकि पुरुष शेल्टर में एक कूलर छह महीने से खराब था। तीन दिन पहले दूसरा भी खराब हो गया।

परिवार वाले शेल्टर होम में वाटर कूलर भी खराब पड़ा है। परिवार वाले शेल्टर में 76 सदस्य रहते हैं, जबकि पुरुष वाले में करीब 15 लोग हैं। यहां रहने वाले गोविंद सिंह ने बताया कि शेल्टर में चार से पांच दिन में पानी आता है। इससे सिर्फ दो दिन ही गुजारा चलता है। यहां रहने वाले संजीव ने बताया कि शेल्टर टीन शेड का बना हुआ है। कूलर खराब होने से भीषण गर्मी में रहना पड़ रहा है।

पश्चिमी दिल्ली के उत्तम नगर स्थित रैन बसेरे में दो कूलर और दो पंखे लगे हैं, दोनों चल रहे हैं। दिन में सात से आठ तो रात में यहां पर 12 से 13 बेघर रहते हैं।

पांच सालों से यहां रह रहे गुरप्रीत सिंह ने बताया कि यहां पर पानी की भी सुविधा है। हमारा ध्यान रखने के लिए केयर टेकर अमरप्रीत सिंह भी रहते हैं, जो कि इन चीजों का ध्यान रखते हैं। पूर्वी दिल्ली में भीषण गर्मी टीन शेड में बने रैन बसेरे तप तो रहे हैं, लेकिन पंखे व कूलर थोड़ी राहत देते मिले।

विक्की शर्मा समेत अन्य कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें सितंबर से दिसंबर तक का वेतन नहीं मिला है। इससे समझा जा सकता है कि आश्रय गृहों में जरूरी चीजों के इंतजाम में कितनी गंभीरता बरती जा रही है।

दाह संस्कार के लिए लकड़ियों की खपत पांच गुना बढ़ी

रात 9 बजे तक हो रहे अंतिम संस्कार

नोएडा (चेतना मंच)। पिछले पांच दिन से अचानक होने वाली मौत का असर सेक्टर-94 स्थित अंतिम निवास में देखा जा रहा है। शव का दाह संस्कार करने के लिए अब अतिरिक्त लकड़ी की जरूरत पड़ने लग गई है। सामान्य दिनों के मुकाबले खपत पांच गुना बढ़ी है। पांच दिन पहले सामान्य तौर पर एक दिन में छह से आठ शवों दाह संस्कार के लिए अंतिम निवास पहुंच रहे थे। एक शव के दाह संस्कार पर चार क्विंटल लकड़ी की खपत होती है।

इस हिसाब से प्रतिदिन करीब 25 क्विंटल लकड़ी की खपत हो रही थी, लेकिन पांच दिन से अंतिम निवास में 100 से 125 क्विंटल के बीच लकड़ी की खपत हो रही है। आम दिनों में अंतिम निवास शाम छह बजे बंद हो जाता था वहीं अब रात नौ बजे तक अंतिम संस्कार हो रहे। प्रबंधन ने स्टाक में रखने के लिए लकड़ी मंगवाई है। अंतिम निवास में दाह संस्कार के लिए जगह नहीं मिल रही है। अंतिम निवास में 36 शव दाह प्लेटफार्म फुल होने से जमीन पर दाह संस्कार करना पड़ रहा है। हाल यह है कि एक चिता की आग ठंडी नहीं होती, इससे पहले ही दूसरी चिता की तैयारी हो शुरू हो जाती है। एक शव को लकड़ी से जलने में दो-ढाई घंटे का समय कम से कम लगता है। शवदाह स्थलों पर लोग शवों को जलाने के लिए इंतजार करते नजर आ रहे हैं।

पोस्टमार्टम के लिए पहुंचे 13 शव

सेक्टर-94 स्थित पोस्टमार्टम हाउस में शनिवार को 13 शव पोस्टमार्टम के लिए पहुंचे। इनमें दो शव अज्ञात भी शामिल रहे। पोस्टमार्टम के लिए तीन डॉक्टरों की टीम लगाई गई। जो देर रात तक पोस्टमार्टम करती रही। डिप्टी सीएमओ डॉ. जैसलाल ने पोस्टमार्ट हाउस पहुंचकर सफाई के साथ डीप फ्रीजर की मरम्मत का जायदा लिया।

11वीं की छात्रा के साथ दुष्कर्म

अश्लील वीडियो बनाकर किया ब्लैकमेल जान से मारने की भी दी धमकी

नोएडा (चेतना मंच)। कोतवाली दादरी क्षेत्र एक गांव में छात्रा के साथ घर में घुसकर जबरन दुष्कर्म किया। दुष्कर्म बाद अश्लील वीडियो बना ली। शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। मामले में पीड़िता ने कोतवाली में नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कोतवाली दादरी क्षेत्र के एक गांव में कक्षा 11वीं की छात्रा अपने घर पर अकेली थी। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला युवक घर में पहुंच गया और छात्रा के साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। उसके बाद अश्लील वीडियो बना ली। धमकी दी कि यदि किसी को कुछ बताया तो जान से मार देगा। परिवार को भी जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने यह घटना स्वजन को बताई।

पीड़ित पक्ष ने कोतवाली में आरोपित के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है। कोतवाली प्रभारी दादरी सुजीत उपाध्याय ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपित कपिल को गिरफ्तार कर जेल भेजा दिया है।

नोएडा पंजाबी एकता समिति ने डा महेश शर्मा का किया स्वागत

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा पंजाबी एकता समिति (पंजी) परिवार ने गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के तीसरी बार सांसद बने डॉ. महेश शर्मा का फूलमालाओं का हार पहनाकर स्वागत किया। इस बार उन्होने 5,69,472 वोटों से विजय प्राप्त करके उत्तरप्रदेश में रिकार्ड हासिल किया है। स्वागत समारोह में नोएडा पंजाबी एकता समिति परिवार के अध्यक्ष वीरेंदर मेहता, महासचिव नरेन्द्र चोपड़ा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनीत मेहता, उपाध्यक्ष नवीन सोनी,उपाध्यक्ष अतुल सहगल, अश्वनी सदाना, अतुल मल्होत्रा, सुनील मेहता, पुनीत कपूर आदि उपस्थित रहे।

चार साल बाद अफगानिस्तान की टीम ग्रेटर नोएडा में खेलेगी घरेलू मैच

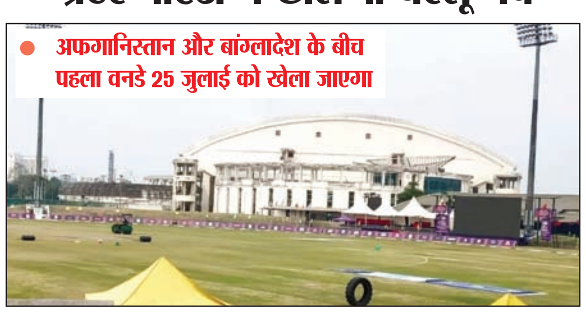

अफगानिस्तान और बांग्लादेश के बीच पहला वनडे 25 जुलाई को खेला जाएगा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा में चार साल बाद शहर के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में अंतरराष्ट्रीय मैच देखने को मिलेगा। अफगानिस्तान-बांग्लादेश के साथ तीन वनडे और तीन टी-20 मैच की सीरीज खेलेगा। पहला वनडे मैच 25 जुलाई, दूसरा 27 जुलाई और तीसरा 30 जुलाई को खेला जाएगा। वहीं पहला टी20 मैच दो अगस्त, दूसरा चार अगस्त और तीसरा छह अगस्त को खेला जाएगा। दुधिया रोशनी में टी-20 मैच होंगे।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) ने इसके लिए हरी झंडी दिखा दी है। अफगानिस्तान की टीम 11 जुलाई को भारत आ जाएगी। वहीं बांग्लादेश की टीम 21 जुलाई की देर रात तक भारत पहुंचेगी। 23 जुलाई से बांग्लादेश की टीम शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में अभ्यास करेगी। बांग्लादेश की टीम सात अगस्त को रवाना होगी।

अफगानिस्तान की टीम अपनी होम सीरीज ग्रेटर नोएडा में पहले भी खेल चुकी है, लेकिन तालिबानी शासन आने के बाद यह पहला मौका होगा जब टीम यहां खेलेगी। टीम ने आखिरी बार चार साल पहले 2020 में ग्रेटर नोएडा में मैच खेला था।

स्टेडियम ने अप्रैल 2016 में अफगानिस्तान और नामीबिया के बीच आइसीसी इंटरकांटिनेंटल कप मैच की मेजबानी की थी। इसके अलावा आयरलैंड के खिलाफ भी अफगानिस्तान यहां मैच खेल चुका है।

स्पोर्ट्स कांप्लेक्स का संचालन ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण करता है। बीसीसीआइ से हरी झंडी मिलने के बाद से प्राधिकरण की ओर से मैच से पहले तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

एक सरदार के कारण डूब गए सरकार के 9 हजार करोड़ रूपए

नोएडा (चेतना मंच)। एक सरदार के कारण उत्तर प्रदेश सरकार के एक प्राधिकरण के 9 हजार करोड़ रूपए डूब गए हैं। थोड़े-बहुत नहीं पूरे नौ हजार करोड रूपए डूबने का यह मामला नोएडा प्राधिकरण का है। नोएडा प्राधिकरण में मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) तथा अध्यक्ष के पद पर तैनात रहे एक सरदार आईएएस अधिकारी के कारण यह बहुत बड़ा घोटाला हुआ है। नोएडा प्राधिकरण में सरदार अधिकारी के नाम और भी अनेक घोटाले दर्ज हैं। नोएडा प्राधिकरण के 9 हजार करोड़ डूबने का यह मामला पहली बार उजागर हुआ है।

आपको बता दें कि नोएडा प्राधिकरण से सैकड़ों करोड़ रूपए की भूमि आवंटित कराने वाले एक दर्जन बिल्डर कंगाल हो गए हैं। नोएडा में सक्रिय इन बिल्डरों ने अपनी-अपनी नोएडा की कंपनियों को दिवालिया घोषित कर दिया है। दिवालिया होने वाले बिल्डरों के ऊपर नोएडा प्राधिकरण के नौ हजार करोड़ से भी अधिक रूपए बकाया है। दिवालिया हो जाने के कारण इन बिल्डरों से अब रिकवरी की उम्मीद ना के बराकर रह गयी है। रिकवरी ना होने का अर्थ है कि नोएडा प्राधिकरण का पूरा बकाया डूब गया है। नोएडा प्राधिकरण के इस बकाये की रकम 9 हजार करोड़ रूपए से भी अधिक की है।

नोएडा प्राधिकरण का सबसे बड़ा बकाया आम्रपाली बिल्डर पर है। दिवालिया हो चुके आम्रपाली बिल्डर पर नोएडा प्राधिकरण के 4500 करोड़ रूपए बकाया है। इस कड़ी में दूसरा नाम सुपरटेक बिल्डर का है। सुपरटेक बिल्डर पर नोएडा प्राधिकरण के 3062 करोड़ रूपए बकाया है। इसी प्रकार लॉजिक्स बिल्डर पर नोएडा प्राधिकरण के 1 हजार 113 करोड़ रूपए बकाया है। इसी कड़ी में थ्रीसी बिल्डर पर नोएडा प्राधिकरण के 600 करोड़ रूपए बकाया है। यहां बताए गए सभी बिल्डर दिवालिया घोषित हो चुके हैं। इस कारण नोएडा प्राधिकरण के 9 हजार करोड़ रूपए डूब गए हैं।

नोएडा प्राधिकरण की भारी-भरकम धनराशि डूबने का यह पूरा घोटाला सरदार मोहिंदर सिंह के कारण हुआ है। दरअसल सरदार मोहिंदर सिंह उत्तर प्रदेश के रिटायर्ड आईएएस अधिकारी हैं। इस आईएएस अधिकारी मोहिंदर सिंह को सबसे बड़ा भ्रष्ट अधिकारी माना जाता है। सरदार मोहिंदर सिंह तत्कालीन मुख्यमंत्री सुश्री मायावती की सरकार में सबसे फेवरेट अधिकारी था। सरदार मोहिंदर सिंह 14 दिसंबर 2010 से लेकर 20 मार्च 2012 तक नोएडा प्राधिकरण में सीईओ तथा चेयरमैन के पद पर तैनात रहा है। उसी तैनाती के दौरान मोहिंदर सिंह ने बिल्डरों को कौड़ियों के भाव नोएडा प्राधिकरण की सारी जमीन बेच डाली थी।

सरदार मोहिंदर सिंह दुनिया के किस कोने में छिपा हुआ है?

क्या नोएडा का सबसे बड़ा घोटालेबाज सरदार कानून के हाथ लगेगा? इन सवालों का जवाब हम भी तलाश कर रहे हैं। पाठकों से निवेदन है कि नोएडा के सबसे बड़े घोटालेबाज सरदार मोहिंदर सिंह की कोई भी जानकारी आपके पास हो तो चेतना मंच को अवश्य बताएं।

चला था 10 प्रतिशत का खेल

सरदार मोहिंदर सिंह नोएडा प्राधिकरण में 14 दिसंबर 2010 को तैनात हुए थे। नोएडा में आते ही मोहिंदर सिंह ने अपने राजनैतिक आका तैयार कर लिए थे। अपने राजनैतिक आकाओं को अरबों रूपयों की कमाई करवाने के मकसद से सरदार मोहिंदर सिंह ने एक खेल शुरू किया था। खेल यह था कि नोएडा प्राधिकरण की हजारों करोड़ मूल्य रूपये की जमीन मात्र 10 प्रतिशत धनराशि जमा कराकर कोई भी बिल्डर आवंटित करा सकता था। शर्त यह थी कि जमीन की कीमत का 25 प्रतिशत (सैकड़ों करोड़) मोहिंदर सिंह तथा उसके राजनीतिक आकाओं को नगद भेंट करना होता था। इसी खेल के दौरान नोएडा प्राधिकरण के डिफाल्टर बिल्डर आम्रपाली, सुपरटेक, लॉजिक्स तथा थ्री-सी जैसे बिल्डरों को नोएडा प्राधिकरण की 10 हजार करोड रूपए से भी अधिक की जमीन आवंटित की गई थी। बिल्डरों ने इस आवंटन के बदले लाखों करोड़ रूपए की रिश्वत मोहिंदर सिंह तथा उसके आकाओं को दी थी। मोटी रिश्वत देने के कारण बिल्डरों ने नोएडा प्राधिकरण का बकाया चुकाने का प्रयास कभी किया ही नहीं। इस प्रकार नोएडा प्राधिकरण में हजारों करोड़ रूपए का खेला हो गया।

विदेश भाग गया है सरदार

नोएडा प्राधिकरण के तत्कालीन सीईओ मोहिंदर सिंह के अनेक घपले-घोटाले सीबीआई तथा ईडी के सामने आ चुके हैं। कुछ मामले विभिन्न अदालतों में चल रहे हैं। भारत की पुलिस हो, सीबीआई ओ अथवा ईडी किसी भी एजेंसी को पता ही नहीं है कि सरदार मोहिंदर सिंह रिटायर्ड होने के बाद कहां पर है। चेतना मंच के सूत्रों का दावा है कि हजारों करोड़ रूपए का खेला करके नोएडा का मोस्ट वांटेड घोटालेबाज सरदार विदेश भाग गया है।

मौत का जाम

किसी त्रासद घटना का सबक यह होना चाहिए कि उसमें हुई हानि को ध्यान में रख कर बाकी जगहों पर भी ऐसे उपाय किए जाएं जिससे वैसी घटनाओं से बचा जा सके। मगर विडंबना यह है कि ज्यादातर घटनाओं को स्थानीय समस्या मान कर दूसरी जगहों पर उसकी अनदेखी कर दी जाती है या फिर उसे महज एक खबर की तरह देखा जाता है। देश के अलग-अलग हिस्सों से अक्सर जहरीली शराब का सेवन करने से लोगों के मरने की खबरें आती रहती हैं। मगर वैसी घटनाओं में कारणों और परिणाम को लेकर एक व्यापक चिंता ठोस शक्ल नहीं लेती। गौरतलब है कि तमिलनाडु के कल्लाकुरिचि जिले में अवैध देसी शराब पीने की वजह से कम से कम सैंतालीस लोगों की जान चली गई और अन्य तीस लोगों की हालत बेहद गंभीर हो गई। इस शराब के सेवन से एक सौ पैंसठ लोग बीमार हुए थे, जिन्हें अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया। यह अवैध तरीके से शराब बना कर लोगों को बेचने वाले की आपराधिक लापरवाही का नतीजा है, लेकिन जिस तमिलनाडु को कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर बेहतर स्थिति में माना जाता है, वहां पुलिस-प्रशासन की नाक के नीचे शराब के नाम पर जहर परोसने का गैरकानूनी कारोबार करने वालों को यह सुविधा कैसे मिली कि वे बेधड़क अपना धंधा चला रहे थे और उनके पास भारी संख्या में लोग शराब पीने पहुंचते थे। जाहिर है, इतने सारे लोगों के मारे जाने के बाद अब सरकार और प्रशासन की ओर से एक औपचारिकता पूरी करने के लिए घटना की जांच, गहन तलाशी अभियान चलाने का निर्देश और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई का भरोसा दिया गया है। सरकार ने जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को आर्थिक मदद की भी घोषणा की है। सरकार ने उस इलाके में प्रभावित लोगों की वास्तविक संख्या जानने के लिए घर-घर जाकर गणना करने की भी बात कही है। यह अपील की गई है कि जिन लोगों ने अवैध शराब का सेवन किया है, वे जल्द से जल्द जांच कराएं और जरूरी होने पर इलाज कराएं। इसे सरकार की संवेदनशीलता के तौर पर देखा जा सकता है। मगर यह समझना मुश्किल है कि सरकारी तंत्र की इस तरह की सक्रियता किसी त्रासद घटना के सामने आने और उसके तूल पकड़ लेने के बाद ही क्यों दिखाई देती है!

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि वे प्रभु श्री रघुनाथजी गई हुई वस्तु को फिर प्राप्त कराने वाले, गरीब नवाज (दीनबन्धु), सरल स्वभाव, सर्वशक्तिमान और सबके स्वामी हैं। यही समझकर बुद्धिमान लोग उन श्री हरि का यश वर्णन करके अपनी वाणी को पवित्र और उत्तम फल (मोक्ष और दुर्लभ भगवत्प्रेम) देने वाली बनाते हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

तेहिं बल मैं रघुपति गुन गाथा। कहिहउँ नाइ राम पद माथा॥
मुनिन्ह प्रथम हरि कीरति गाई। तेहिं मग चलत सुगम मोहि भाई॥

उसी बल से (महिमा का यथार्थ वर्णन नहीं, परन्तु महान फल देने वाला भजन समझकर भगवत्कृपा के बल पर ही) मैं श्री रामचन्द्रजी के चरणों में सिर नवाकर श्री रघुनाथजी के गुणों की कथा कहूँगा। इसी विचार से (वाल्मीकि, व्यास आदि) मुनियों ने पहले हरि की कीर्ति गाई है। भाई! उसी मार्ग पर चलना मेरे लिए सुगम होगा॥

दो0-अति अपार जे सरित बर जौं नृप सेतु कराहिं।
चढि पिपीलिकउ परम लघु बिनु श्रम पारहि जाहिं॥

जो अत्यन्त बड़ी श्रेष्ठ नदियाँ हैं, यदि राजा उन पर पुल बँधा देता है, तो अत्यन्त छोटी चींटियाँ भी उन पर चढ़कर बिना ही परिश्रम के पार चली जाती हैं। (इसी प्रकार मुनियों के वर्णन के सहारे मैं भी श्री रामचरित्र का वर्णन सहज ही कर सकूँगा)॥

एहि प्रकार बल मनहि देखाई। करिहउँ रघुपति कथा सुहाई॥
ब्यास आदि कबि पुंगव नाना। जिन्ह सादर हरि सुजस बखाना॥

इस प्रकार मन को बल दिखलाकर मैं श्री रघुनाथजी की सुहावनी कथा की रचना करूँगा। व्यास आदि जो अनेकों श्रेष्ठ कवि हो गए हैं, जिन्होंने बड़े आदर से श्री हरि का सुयश वर्णन किया है॥

(क्रमशः..)

विश्व शांति के लिए जरूरी हिंदू संस्कृति का फैलना

यूरोप में हाल ही में सम्पन्न हुए चुनावों में दक्षिणपंथी कहे जाने वाले दलों की राजनैतिक ताकत बढ़ी है। हालांकि सत्ता अभी भी वामपंथी एवं मध्यमार्गीय नीतियों का पालन करने वाले दलों की ही बने रहने की सम्भावना है परंतु विशेष रूप से फ्रांस एवं जर्मनी में इन दलों को भारी नुक्सान हुआ है। इटली की देशप्रेम से ओतप्रोत दल की मुखिया जोरजीया मेलोनी को अच्छी सफलता हासिल हुई है। कुल मिलाकर यूरोपीय देशों के नागरिकों में देशप्रेम का भाव धीमे धीमे लौट रहा है एवं वे अब अपने अपने देश में अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों का विरोध करने लगे हैं। विशेष रूप से यूरोप के आस पास के मुस्लिम बहुल देशों से भारी संख्या में मुस्लिम नागरिक अवैध रूप से इन देशों में शरण लिए हुए हैं एवं अब वे इन देशों की कानून व्यवस्थ के लिए एक बहुत बड़ी समस्या बन गए हैं। जर्मनी एवं फ्रान्स ने मुस्लिम नागरिकों को मानवीय आधार पर अपने देश में बसाने में शिथिल नीतियों का पालन किया था और अब ये दोनों देश इस संदर्भ में विभिन्न समस्याओं का सबसे अधिक सामना कर रहे हैं।

आज जब कई मुस्लिम देश शिया एवं सुन्नी सम्प्रदाय के नाम पर आपस में ही लड़ रहे हैं तो उनका ईसाई पंथ को मानने वाले नागरिकों के साथ सामंजस्य किस प्रकार रह सकता है, अतः यूरोपीयन देशों के नागरिकों को अब अपने किए पर पश्तावा होने लगा है। ब्रिटेन में भी आज मुस्लिम समाज की आबादी बहुत बढ़ गई है एवं यहां का ईसाई समाज अपने आप को असुरक्षित महसूस करने लगा है क्योंकि मुस्लिम समाज द्वारा ईसाई समाज पर कई प्रकार के आक्रमण किया जाना आम बात हो गई है। ब्रिटेन के कई शहरों में तो मेयर आदि जैसे उच्च प्रशासनिक अधिकारियों के पदों पर भी मुस्लिम समाज के नागरिक ही चुने गए है अतः इन नगरों में सत्ता की चाबी ही अब मुस्लिम समाज के नागरिकों के हाथों में है, जिसे ईसाई समाज के नागरिक बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। इसी प्रकार, इजराईल (यहूदी समुदाय) एवं हम्मास (मुस्लिम समुदाय) के बीच युद्ध लम्बे समय से चल रहा है। ईरान (शिया समुदाय) - सऊदी अरब (सुन्नी समुदाय) के आपस में रिश्ते अच्छे नहीं है। पाकिस्तान में तो अहमदिया समुदाय एवं बोहरा समुदाय को मुस्लिम ही नहीं माना जाता है एवं इनको गैर मुस्लिम मानकर इन पर सुन्नी समुदाय द्वारा खुलकर अत्याचार किए जाते हैं। कुल मिलाकर, मुस्लिम समाज न केवल अन्य समाज के नागरिकों (यहूदी, ईसाई, हिंदू आदि) के साथ लड़ता आया है बल्कि इस्लाम के विभिन्न फिर्कों के बीच भी इनकी आपसी लड़ाई होती रही है। इसके ठीक विपरीत, सनातन हिंदू संस्कृति का अनुपालन करते हुए कई भारतीय मूल के नागरिक भी अन्य देशों में रह रहे हैं एवं लम्बे समय से स्थानीय स्तर पर ईसाई समाज एवं अन्य धर्मों के अनुयायियों के साथ मिल जुलकर रहते आए हैं। इन देशों में भारतीय मूल के नागरिकों एवं स्थानीय स्तर पर अन्य धर्मों के अनुयायियों के बीच कभी भी बड़े स्तर पर आक्रोश उत्पन्न होता दिखाई नहीं दिया है, क्योंकि सनातन हिंदू संस्कृति में 'वसुधैव कुटुम्बकम' एवं 'सर्वे भवंतु सुखिन' का भाव हिंदू नागरिकों में बचपन से ही भरा जाता है।

इसी प्रकार के भाव का संचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी पिछले 99 वर्षों से अपने स्वयंसेवकों में जगाता आया है। संघ चाहता है कि

आज जब कई मुस्लिम देश शिया एवं सुन्नी सम्प्रदाय के नाम पर आपस में ही लड़ रहे हैं तो उनका ईसाई पंथ को मानने वाले नागरिकों के साथ सामंजस्य किस प्रकार रह सकता है, अतः यूरोपीयन देशों के नागरिकों को अब अपने किए पर पश्तावा होने लगा है।

संसार में सद्गुणों का बोलबाला हो। 27 सितम्बर 1933 को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक पूजनीय डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार, शस्त्र पूजा समारोह में अपने उदबोधन में कहते हैं कि 'संघ एक हिंदू संगठन है। संसार के सभी धर्मों में हिंदू धर्म ही एकमात्र ऐसा धर्म है, जिसका मुख्य गुण सद्गुण है और जो 'आत्मवत् भूतेषु' (सभी प्राणियों में अपने को देखना) की भावना से सभी जीवों के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करना सिखाता है। यह धर्म संसार में व्याप्त हिंसा और अन्याय को स्वीकार नहीं करता। इसलिए स्वाभाविक है कि प्रत्येक हिंदू ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाना चाहता है। लेकिन केवल उपदेश देने से संसार का स्वभाव नहीं बदलेगा। जब संसार को लगेगा कि हिंदू समाज सुसंगठित और सशक्त हो गया है, तो हमारे प्रति जो अनादर का भाव सर्वत्र दिखाई देता है, वह समाप्त हो जाएगा और संसार हमारी बात सुनेगा। हिंदू धर्म अनादि काल से यही करता आ रहा है और ऐसे पवित्र धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए ही संघ की शुरुआत हुई है।' 'आजकल हिंदू समाज बहुत अव्यवस्थित हो गया है। संघ का एकमात्र उद्देश्य हिंदू समाज को इस तरह संगठित करना है कि हिंदू, हिंदुस्तान में गर्वित हिंदू के रूप में खड़े हो सकें और दुनिया को यह विश्वास दिला सकें कि हिंदू कोई ऐसी जाति नहीं है जो मरणासन्न अवस्था में हो। संघ चाहता है कि संसार में सद्गुणों का बोलबाला हो। संघ का लक्ष्य मानव जाति में व्याप्त राक्षसी प्रवृत्ति को दूर करना और उसे मानवता सिखाना है। संघ का गठन किसी से घृणा करने या उसे नष्ट करने के लिए नहीं हुआ है।'

हाल ही में जारी की गई प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की रिपोर्ट में 'धार्मिक अल्पसंख्यकों की हिस्सेदारी का देशभर में विश्लेषण' नामक विषय के माध्यम से बताया गया है कि बहुसंख्यक हिंदुओं की आबादी 1950 और 2015 के बीच 7.82% घट गई है। जबकि मुस्लिमों की आबादी में 43.15% की वृद्धि हुई है। मुस्लिमों की 1950 में 9.84% रही आबादी 14.09% पर पहुंच गई है। ईसाई धर्म के लोगों की आबादी की हिस्सेदारी 2.24% से बढ़कर 2.36% हुई है। ठीक ऐसे ही सिख समुदाय की आबादी 1.24% से बढ़कर 1.85% हो गई है। भारत में सद्गुणों से ओतप्रोत हिंदू नागरिकों की जनसंख्या यदि इस प्रकार घटती रही तो यह भारत के साथ पूरे विश्व के लिए भी अच्छा संकेत नहीं है क्योंकि अल्पसंख्यक के नाम पर मुस्लिम आबादी (जो कि अपने धर्म के प्रति एक कट्टर कौम मानी जाती है तथा अन्य धर्मों के लोगों के प्रति बिलकुल सहशुण नहीं है और वक्त आने पर अन्य समाज के नागरिकों का कत्लेआम करने में भी हिचकिचाते नहीं है) में बेतहाशा वृद्धि होना, पूरे विश्व के लिए एक अच्छा संकेत नहीं माना जा सकता है।

यह बात ध्यान रखने वाली है कि ईरान कभी आर्यों का अर्थात पारसियों का देश था। इराक, सऊदी अरब ,पश्चिम एशिया के समस्त मुस्लिम देश 1400 वर्ष पूर्व भारतीय संस्कृति और सभ्यता को मानने वाले देश थे। तलवार के बल पर 57 देश इस्लाम को स्वीकार कर चुके हैं इनमें से कोई भी ऐसा देश नहीं है जो 1400 वर्ष पहले से अर्थात सनातन की भांति सृष्टि के प्रारंभ से मुस्लिम देश था। 1398 ईसवी में ईरान भारत से अलग हुआ, 1739 में नादिरशाह ने अफगानिस्तान को अपने लिए एक अलग रियासत के रूप में प्राप्त कर लिया, बाद में 1876 में यह एक स्वतंत्र देश के रूप में अस्तित्व में आ गया,1937 में म्यांमार बर्मा अलग हुआ, 1911 में श्रीलंका अलग हुआ और 1904 में नेपाल अलग हुआ। सांप्रदायिक आधार पर देश विभाजन का यह सिलसिला यहीं नहीं रुका इसके पश्चात 1947 में पश्चिमी एवं पूर्वी पाकिस्तान देश बना। पूर्वी पाकिस्तान आज बांग्लादेश के रूप में मानचित्र पर उपलब्ध है।

आज एक बार पुनः भारत के भीतर जहां-जहां इस्लाम को मानने वाले लोगों की संख्या बहुलता को प्राप्त हो गई है, वहां वहां पर अनेक प्रकार की सामाजिक विसंगतियां, दमन और शोषण के नए-नए स्वरूप देखे जा रहे हैं। केरल, कश्मीर, पूर्वोत्तर भारत, बंगाल जहां जहां उनकी संख्या बहुलता में है, वहां -वहां दूसरे धर्म और जाति के लोग परेशान हैं। उपस्थित तथ्यों से सत्य को समझना चाहिए। इन आंकड़ों के आलोक में हमें समझना चाहिए कि हमारी बहू, बेटियां, महिलाओं की इज्जत कब तक सुरक्षित रह सकती है? निश्चित रूप से तब तक जब तक कि भारतवर्ष सनातनी हिंदुओं के हाथ में है। हमें इतिहास से शिक्षा लेनी चाहिए कि अब हम सांप्रदायिक आधार पर देश का पुनः विभाजन नहीं होने दें। नोवाखाली जैसे नरसंहारों की पुनरावृत्ति अब हमारे देश में नहीं होनी चाहिए। भारत-पाकिस्तान के विभाजन के समय जिस प्रकार लाखों करोड़ों लोगों को घर से बेघर होना पड़ा था, उस इतिहास को अब दोहराया नहीं जाना चाहिए। भारत में आंतरिक स्थिति ठीक नजर नहीं आती है परंतु विश्व के कई अन्य देशों में सनातन संस्कृति को तेजी से अपनाया जा रहा है, तभी तो कहा जा रहा है कि विश्व में आज कई समस्याओं का हल केवल हिंदू सनातन संस्कृति को अपना कर ही निकाला जा सकता है।

- प्रहलाद सबनानी
सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक

धांधली हो रही है तो फिर नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की जरूरत क्या है?

परीक्षा में धांधली कोई नई बात नहीं है, लेकिन आये दिन इसका बदलता स्वरूप उन मेधावी, मेहनती व गरीब छात्रों के लिए चिंता का सबब बन चुका है जिनका सियासत और प्रशासन में कोई 'गॉड फादर' नहीं होता, जो उन्हें घर बैठे सब कुछ सुलभ करवाता रहे! इसलिए जब भी कोई पेपर लीक होता है और परीक्षा रद्द हो जाती है तो सबसे ज्यादा आर्थिक मार इन्हीं कमजोर छात्रों पर पड़ती है। वहीं सर्वाधिक मानसिक पीड़ा ऐसे ही छात्रों को भुगतनी पड़ती है, क्योंकि इस पूरे घटनाक्रम से इनके ही सुनहरे सपने प्रभावित होते हैं।

अब देखिए न, नीट-यूजी में गड़बड़ी का मामला अभी निपटा भी नहीं है कि यूजीसी नेट परीक्षा में धांधली का एक और नया मामला प्रकाश में आया है। इसके बाद आनन-फानन में शिक्षा मंत्रालय ने यूजीसी की पवित्रता बचाने के लिए पूरी परीक्षा ही रद्द कर दी है। साथ ही बताया गया है कि जल्द ही नई तारीख का ऐलान किया जाएगा। यही नहीं, परीक्षा में गड़बड़ी की जांच सीबीआई को सौंप दी गई है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर जब परीक्षा में धांधली हो ही रही है, तो फिर नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के गठन का औचित्य क्या है?

खास बात यह है कि यूजीसी-नेट की यह परीक्षा एक रोज पूर्व यानी 18 जून को ही देश भर में आयोजित की गई थी। तब परीक्षा आयोजित कराने वाली संस्था नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने इसके सफलता पूर्वक संपन्न होने का दावा किया था। हालांकि, शिक्षा मंत्रालय ने यूजीसी-नेट को रद्द करने का यह फैसला गृह मंत्रालय से मिले उस इनपुट के आधार पर लिया है, जिसमें पेपर लीक होने समेत बड़े स्तर पर गड़बड़ी की सूचना मिली थी।

बताया जाता है कि गृह मंत्रालय को भी परीक्षा में गड़बड़ी की यह सूचना साइबर क्राइम यूनिट से मिली थी। इसलिए प्राथमिक स्तर पर गड़बड़ी प्रमाणित होने के बाद ही यह पूरा फैसला लिया गया है। वहीं, मंत्रालय का यह भी कहना है कि परीक्षा में गड़बड़ी की शिकायतें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) को भी मिली थी। जबकि गृह मंत्रालय को भी परीक्षा में गड़बड़ी की

यह सूचना साइबर क्राइम यूनिट से मिली थी।

उल्लेखनीय है कि यूजीसी-नेट का जिम्मा भी नीट-यूजी परीक्षा आयोजित कराने वाली एनटीए के पास ही था। यूजीसी नेट 18 जून को देशभर के 317 शहरों में 1205 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित कराया गया था, जिसमें 11 लाख से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया था। ऐसे में सुलगता हुआ सवाल है कि आखिर में जिस हेराफेरी से बचने के लिए केंद्र में सत्तारूढ़ मोदी सरकार द्वारा नेशनल टेस्टिंग एजेंसी बनाई गई, जब वह जारी ही है तो फिर इसकी जरूरत क्या है?

क्योंकि नीट-यूजी पेपर लीक प्रकरण पर यदि गौर किया जाए तो प्रथमदृष्टया यही प्रतीत होता है कि नेताओं और अधिकारियों का कोई गुप्त गठजोड़ काम कर रहा है, जिनका मकसद प्रतिभाओं का गलाघोंट कर अपने संपर्क में आने वाले छात्रों को मोटी रकम ले-देकर उपकृत करना है। इस प्रकरण में बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के एक निजी सचिव और उसके सम्पर्क में रहने वाले एक सरकारी अभियंता का नाम जिस तरह से उछला है, उससे पूरे प्रकरण की गम्भीरता को समझा जा सकता है।

चाहे बिहार हो या उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश हो या राजस्थान, या फिर इनसे कटकर अलग हुए छोटे-छोटे राज्य, परीक्षाओं में गड़बड़ियां आम बात बन चुकी हैं। वहीं, आंकड़े बताते हैं कि इन परीक्षा धांधली से जुड़े अधिकांश प्रकरणों में जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ अमूमन कोई कड़ी नजीरी कार्रवाई अबतक नहीं की गई है और न ही उसके लिए कभी कोई कडे नियम कानून बनाये गए हैं, जिसके चलते ऐसे घाघ लोग प्रायः बच निकलते हैं।

इसलिए यह राष्ट्रीय विमर्श का विषय है कि जब अयोग्य छात्र जुगाड़ तंत्र के सहारे अच्छे और तकनीकी ओहदे तक पहुंच जाएंगे तो फिर वह क्या करेंगे, अनुमान लगाना कठिन नहीं है। कहीं बहते नवनिर्मित पुल तो कहीं इलाज के दौरान मरता आदमी, इसी बात की तो चुगली करता आया है। आप चाहे जिस भी क्षेत्र में चले जाएं, आरक्षण से नौकरी पाने वाली जमात की अकर्मण्यता की चर्चा वहां खुलकर देखने-सुनने को मिल जाएगी। उसी तरह से आरक्षण के दुष्प्रभाव को कम करने के लिए प्रोत्साहित किये जा रहे निजीकरण के नाम पर भी तमाम उलटबांसी करते लोग मिल जाएंगे, जिनकी करतूतों से यह संवैधानिक तंत्र कराहने लगा है!

बताया जाता है कि इस देश में सामाजिक न्याय के नाम पर अव्वल प्रतिभाओं के साथ जो सुनियोजित अन्याय हुआ, उससे न केवल ब्रेन ड्रेन के मामले बढ़े, बल्कि अमेरिका, रूस, चीन, इंग्लैंड, फ्रांस, जापान आदि ने इन्हीं प्रतिभाओं का सदुपयोग करके वैश्विक दुनियादारी में अपनी अव्वल जगह बना ली और भारत निरंतर पिछड़ता चला गया। यह ठीक है कि मोदी सरकार ने इस स्थिति को बदलने के लिए एक हद तक जद्दोजहद की, लेकिन फलसफा यह निकला कि महज 10 साल में ही सियासी और संवैधानिक बेढ़ियों ने उसे भी जकड़ लिया और लगातार दो बार मिले पूर्ण बहुमत की जगह अब यह सरकार भी अल्पमत में आकर गठबंधन सरकार चलाने के लिए अभिशप्त कर दी गई।

सवाल है कि जब पूरी शिक्षा व्यवस्था काफी महंगी और आम आदमी की पहुंच के बाहर हो चली है, तब शिक्षा पात्रता परीक्षा में धांधली और पक्षपात के बीच आम आदमी के घर से निकला प्रतिभाशाली छात्र आखिर किधर जाएगा।यदि ऐसा सुनियोजित भ्रष्टाचार आम छात्रों को कतिपय महत्वपूर्ण अवसरों से दूर कर देगा तो फिर वो आगे क्या करेंगे, अनुमान लगाना कठिन नहीं है। उसी तरह से सरकारी नौकरियों की प्राप्ति में हो रही धांधली और निजी क्षेत्र में नौकरी की उटपटांग व्यवस्था व सेवा शर्तों के बीच पीस रहे आम नौनिहालों के भविष्य के बारे में यदि हम-आप नहीं सोचेंगे, तो सोचेगा कौन? यक्ष प्रश्न है।

इसलिए सरकार और प्रशासन का यह दायित्व है कि वह शिक्षा प्राप्ति से लेकर नौकरी प्राप्ति तक, या फिर कारोबारी दरवाजे खुलने तक पूरे देश में एक समान शिक्षा व परीक्षा प्रणाली लागू करे, जो पारदर्शी और भेदभाव रहित हो। इसकी सफलता से न केवल राष्ट्रीय एकता की भावना मजबूत होगी, बल्कि देश भी विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर मजबूत होगा। वहीं, शिक्षा, शैक्षणिक पात्रता परीक्षा व नौकरी पात्रता परीक्षा को केंद्रीकृत किये जाने के बजाय उन्हें विकेंद्रीकृत किया जाए, ताकि पूरे देश के लोग समान रूप से उससे लाभान्वित हो सकें।

- कमलेश पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार व स्तम्भकार

राशिफल

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष : द्वितीया

(विक्रम संवत् 2081)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
पराक्रम रंग लाएगा। व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। स्वास्थ्य अच्छा। प्रेम, संतान की स्थिति अच्छी।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
आर्थिक उन्नति करेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान में अपनापन होगा और व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
ओजस्वी-तेजस्वी बने रहेंगे। जरुरत के हिसाब से वस्तुएं उपलब्ध होंगी जीवन में। झगड़ा मोल न लें। बाकी स्वास्थ्य अच्छा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
स्वास्थ्य बुझा-बुझा सा रहेगा। आमदनी के नए- नए जरिया बनेंगे। प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार बहुत अच्छा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
आय के नए स्तोत्र बनेंगे। पुराने स्तोत्र से भी पैसे आएंगे। सरकारी तंत्र का साथ होगा। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। व्यावसायिक स्थिति सुदृढ़ होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान, व्यापार सबकुछ बहुत अच्छा है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
परिस्थितियां अनुकूल होने लगी हैं। रुका हुआ कार्य चलने लगेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान का साथ होगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान अच्छा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी-चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
शत्रुओं का समन होगा। रुका हुआ कार्य चल पड़ेगा। स्वास्थ्य नरम-गरम। प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार अच्छा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
भावुकता में आकर कोई निर्णय मत लीजिएगा। स्वास्थ्य नरम-गरम। प्रेम, संतान मध्यम। व्यापार अच्छा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
गृह-कलह के संकेत हैं। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार अच्छा। शिवजी को प्रणाम करते रहें।

प्राधिकरण के दस्ते को किसानों ने रोका नहीं, तोड़ने दी आबादी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-162 स्थित गांव गुलावली में नोएडा प्राधिकरण की अतिक्रमण हटाओ दस्ते को किसानों ने रोक दिया। प्राधिकरण के अधिकारियों व किसान नेताओं की काफी देर तक नोंक-झोंक हुईजिसके बाद प्राधिकरण के दस्ते को बैरंग लौटना पड़ा।

भारतीय किसान यूनियन मंच के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अशोक चौहान ने बताया कि भारतीय किसान यूनियन मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुधीर चौहान के नेतृत्व में भारतीय किसान यूनियन मंच की कार्यकारिणी और किसानों ने गांव गुलावली सेक्टर-162 में नोएडा प्राधिकरण के द्वारा वर्षों पुरानी सघन आबादी को तोड़ने के लिए पहुंचे नोएडा प्राधिकरण के दस्ते को बैरंग वापस लौट दिया।

भारतीय किसान यूनियन मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुधीर चौहान को एक दिन पहले ही पता चल गया था कि गांव गुलावली सेक्टर 162 नोएडा के विभिन्न खसरो में बनी सघन आबादी को तोड़ने के लिए प्राधिकरण का दस्ता आएगा। लेकिन गांव गुलावली में मौजूद भारतीय किसान यूनियन मंच के सैकड़ों कार्यकर्ता और गांव गुलावली के सैकड़ो मूल किसानों ने नोएडा प्राधिकरण के दस्ते को नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे के पुल के नीचे ही रोक दिया।

जिसके बाद सभी किसान व भारतीय किसान यूनियन मंच के पदाधिकारी नोएडा प्राधिकरण के प्रशासनिक कार्यालय सेक्टर 6 नोएडा की ओर कूच कर गए। नोएडा प्राधिकरण के भूलेख विभाग के ओएसडी महेंद्र प्रसाद से बोर्ड रूम में हुई मीटिंग की भारतीय किसान यूनियन मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुधीर चौहान ने ओएसडी महेंद्र प्रसाद से किसानों की समस्याओं पर चर्चा की और पूछा कि गुलावली गांव में किसाने की पुरानी आबादी को तोड़ने के लिए भूलेख विभाग क्यों बार-बार नोटिस और फोर्स भेज रहा है यह किसानों के साथ अन्याय है। नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी महेंद्र प्रसाद ने किसानों को आश्वासन दिया कि भविष्य में इस प्रकार की पुनावर्ती नहीं होगी।

इस अवसर पर सुरेंद्र प्रधान ,प्रमोद त्यागी, राष्ट्रीय महासचिव गौतम लोहिया , मीडिया प्रभारी अशोक चौहान विक्रम यादव, आशीष चौहान अमित बैसोया, उदय चौहान, सत्येंद्र गुर्जर ,ऐके बसोया, सूरज प्रधान ,चरण सिंह प्रधान, विमल त्यागी गजेंद्र बसोया रिंकू यादव मुनेश प्रधान प्रमोद भाटी पाल प्रधान प्रिंस भाटी सोनू चपराना तरुण भाटी रोहित शर्मा दानिश सैफी राहुल पवार सोनू लोहिया अनिल चौहान रोहतास चौहान लाल सिंह चौहान लोकेश चौहान लीलू चौहान रंजीत चौहान आदि सैकड़ो किसान मौजूद रहे।

नीट की परीक्षा रद्द करने को लेकर कांग्रेसियों ने किया कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

नोएडा (चेतना मंच)। कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष दीपक चोटी वाला ने कहा कि नीट की परीक्षा में हुई धांधली को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त किया जाए तथा परीक्षा को रद्द किया जाए। उन्होंने कहा कि छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है, और भाजपा सरकार धांधली करने वाले को सह दे रही है। उन्होंने कहा कि जब तक सरकार परीक्षा को रद्द नहीं करती है तब तक कांग्रेस पार्टी अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखेगी। इस अवसर पर नोएडा महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव, पवन शर्मा, गौतम अवाना, जितेंद्र चौधरी, दिनेश शर्मा, धर्म सिंह बाल्मीकि, मुकेश शर्मा, सतीश शर्मा, संदीप नागर ,श्रुति चौधरी, कपिल भाटी, मोहित भाटी, रमेश बघेल, शुभम कश्यप, अरुण भाटी, गौरव लोहिया, निशा शर्मा, महाराज सिंह नागर सहित भारी संख्या में लोग मौजूद थे।

आवासीय, अनावासीय व व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए रेंट एग्रीमेंट में स्टांप रजिस्ट्रेशन शुल्क होगा कम

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन रूल्स 2024 के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये। उन्होंने कहा कि ईज ऑफ लिविंग, बेहतर रिकॉर्ड और डाटा मैनेजमेंट के लिए स्टाम्प और रजिस्ट्रेशन की ऑनलाइन व्यवस्था आज की आवश्यक्ता है। इसको लेकर जल्द से जल्द तैयारी की जाए और ड्राफ्ट बनाकर प्रस्तुत किया जाए। सीएम ने आवासीय, अनावासीय और व्यावसायिक संपत्ति के रेंट एग्रीमेंट के स्टाम्प रजिस्ट्रेशन शुल्क को कम करने के भी निर्देश दिये।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन रूल्स 2024 के अंतर्गत मौजूद रजिस्ट्रेशन के कोडिफिकेशन, ई-रजिस्ट्रेशन और ई-फाइलिंग की संपूर्ण व्यवस्था पारदर्शी हो। ई-रजिस्ट्रेशन का कार्य

सरकारी एजेंसीज और रेरा अप्रूव्ड संस्थाओं के माध्यम से कराया जाए। वहीं ई-फाइलिंग का कार्य बैंक फाइल 6 (1), 12 माह तक का रेंट एग्रीमेंट और रजिस्ट्रेशन एक्ट 1908 के सेक्शन 18 और 89 के अंतर्गत किसी भी डॉक्युमेंट के माध्यम से कराया जाए।

उन्होंने ई रजिस्ट्रेशन के तहत फेज-1 में सरकारी एजेंसियों-डेवलपमेंट एवं इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटीज को सेल डीड, एग्रीमेंट एवं लीज डीड के लिए मंजूरी प्रदान की जाए। सरकारी एजेंसियों के नोडल अधिकारियों द्वारा प्रस्तुतिकरण और स्वीकृति प्रदान की जाए। साथ ही पार्टियों का फोटो और सिग्नेचर भी डिजिटली या इलेक्ट्रानिकल रूप से किया जाना चाहिए। सीएम ने कहा कि ई रजिस्ट्रेशन के फेज-2 में सेल डीड, एग्रीमेंट और लीज डीड के लिए रेरा द्वारा अनुमोदित संस्थाओं तक विस्तारित किया जाए। पार्टियों का फोटो और हस्ताक्षर डिजिटल या इलेक्ट्रानिक रूप से किया जाए। प्रक्रिया के तहत इलेक्ट्रानिक प्रसारित डाटा के आधार पर पंजीकरण अधिकारी द्वारा पंजीकरण किया जाए।

बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए सीएम ने कहा कि ई-फाइलिंग के तहत फेज-1 में बैंक फाइलों की प्रॉसेसिंग पहले ही शुरू हो चुकी है, जबकि दूसरे फेज में 12 माह तक का रेंट एग्रीमेंट, ऑनलाइन स्टांपिंग, ई-सिग्नेचर और पार्टियों और गवाहों का ई-केवाईसी वेरिफिकेशन आधार के माध्यम से सुनिश्चित किया जाए।

बिशनपुरा में जल संकट ग्रामीणों ने फोड़े मटके

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-58 स्थित बिशनपुरा में ग्रामवासियों ने जल संकट से हो रही समस्या के विरोध में मटके फोड़कर विरोध प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर बिशनपुरा निवासी रामकुमार तंवर ने कहा कि बीते दो महीनों से गाँव में पानी की सप्लाई नहीं आ रही है। अगर कभी पानी आता भी है तो कुछ मिनटों के लिए ही आता है जिससे गाँव की पूर्ति भी नहीं हो पाती। इसकी सूचना कई बार नोएडा प्राधिकरण के जल विभाग को दे चुके है लेकिन अधिकारी अपने एसी कमरों से निकलने को तैयार नहीं है।

ग्रामीणवासी पानी के चलते बहुत परेशान हो रहे है ना नहाने के लिए पानी है और ना ही खाने पीने के लिए है। ख़ास कर महिलाओं को ज़्यादा समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

इस अवसर पर त्रिलोक नागर ने कहा कि बार बार

प्राधिकरण के अधिकारियों को सूचना देने के बाद भी गाँव में पानी नहीं उपलब्ध हो पा रहा है।

इस अवसर पर प्रकाश मुखिया, राजवीर नागर, छोटन भगत, इन्द्र भाटी, लज्जा कसाना, राजू तंवर, विजयपाल तंवर, हरि कसाना,अजब सिंह तंवर, सुखवीर धामा, धर्मवती, बीरो देवी, बिमला देवी, रणजीता, शुखवीरी देवी, राजकली, सुषमा, दुली तंवर, मांगेराम तंवर, नीतेश तंवर, उमेश तंवर, धर्मेन्द्र तंवर आदि बिशनपुरा निवासी मौजूद रहे।

नोएडा के 30 हजार से ज्यादा फ्लैट खरीदारों को मिलेगा मालिकाना हक

13 बिल्डरों को 15 दिन में देना है नोटिस का जवाब

नोएडा। 30 हजार से ज्यादा फ्लैट खरीदारों को उनके आशियाना का मालिकाना हक मिल सकता है, क्योंकि नोएडा प्राधिकरण ने बिल्डर बायर्स की समस्या का स्थाई निदान की ओर कदम बढ़ा दिया है।

सीईओ डॉ. लोकेश एम के निर्देश पर ग्रुप हाउसिंग विभाग ने उन बिल्डरों को अमिताभकांत आयोग की सिफारिशों का लाभ देने का निर्णय लिया है, जो दिवालिया प्रक्रिया में शामिल होने के लिए नेशनल कंपनी ला ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) व अदालत की शरण में है।

प्राधिकरण ने ऐसे 13 बिल्डरों को नोटिस जारी कर शर्त रखी है कि यदि बिल्डर नेशनल कंपनी ला ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) और कोर्ट से केस वापस ले तो उनके बकाया का रि-शिड्यूल किया जा सकता है। यह रि-शिड्यूलमेंट अमिताभ कांत आयोग की सिफारिश के तहत किया जाएगा। इससे फ्लैट खरीदारों की रजिस्ट्री का रास्ता साफ हो जाएगा।

बता दें कि वर्तमान में 17 बिल्डर परियोजनाएं ऐसी है जो फ्लैट खरीदारों के साथ विवादों में नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) और अदालत में है। इसमें 25 से 30 हजार फ्लैट खरीदार फंसे है, जिनके पास अदालत के फैसले का इंतजार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

यही नहीं स्पोर्ट्स सिटी पर भी अमिताभकांत आयोग की सिफारिशों को लागू करने का नियम नहीं है। यहां करीब 40 हजार फ्लैट खरीदार फंसे है। सभी फ्लैट खरीदार सेक्टर-78,79,101, 150, 152 में बिल्डर परियोजनाओं के है।

इस योजना में बिल्डर जब तक यहां खेल सुविधाओं का विकास नहीं कर लेते तब तक उनको आक्यूपेंसी सर्टिफिकेट (ओसी) नहीं मिलेगा। प्राधिकरण ने बताया कि एनसीएलटी और कोर्ट केस में शामिल बिल्डरों पर 21 हजार करोड़ के आसपास बकाया है।

बता दें कि अब तक नोएडा में 57 बिल्डर प्रोजेक्ट में से 45 ने सहमति दी। 12 बिल्डर प्रोजेक्ट न तो बैठक में आए और न सहमति दी। आंकड़ों को देखे तो नोएडा में 57 में से 22 बिल्डरों ने 25 प्रतिशत धनराशि रुपये 180.77 करोड़ जमा करा दी है।

इन 22 बिल्डरों से नोएडा प्राधिकरण को लगभग रुपए 450 करोड़ मिलेगा। 18 ऐसे बिल्डर है जिन्होंने 25 प्रतिशत धनराशि जमा कराने के लिए सहमति दी है। अमिताभ कांत की सिफारिश के बाद करीब 800 से ज्यादा फ्लैट खरीदारों की रजिस्ट्री हो चुकी है।

प्राधिकरण ने 13 बिल्डरों को 8,510.69 करोड़ रुपये से अधिक के बकाये का नोटिस जारी किया है, जिनका जवाब 15 दिन के अंदर बिल्डरों को देना होगा। नोटिस में स्पष्ट लिखा कि यूपी सरकार ने 21 दिसंबर 2023 को पुराने रुके हुए रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स के संबंध में एक आदेश जारी किया था।

इस आदेश में कुछ बिल्डर परियोजनाओं को शामिल किया गया। यह परियोजना एनसीएलटी और कोर्ट से बाहर है। आप सभी लाभान्वित हो सकती हैं, यदि एनसीएलटी और अदालत से अपने मामले वापस ले लेते हैं।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (**ई- टेन्डरिंग**) के माध्यम से **खुली निविदा** आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्याः झाँसी-इन्जी0-मुख्यालय-2024-98	**अनुमानित लागत (₹):** 23206192.50
कार्य का नामः वीरांगना लक्ष्मीबाई-प्रोवीजन ऑफ़ लीकी फ्लैट रूफ़स बाय प्रोवाइडिंग एपीपी मेम्बेरेन इन वेस्ट कॉलोनी झाँसी।	**अमानत राशि (₹):** 266000.00

निविदा बंद होने की तिथिः 15.07.2024 at **15:00 hrs.**, **स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथिः** 12 माह, ● निविदा दिनाँक **15.07.2024** को **15:00** बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। ● पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुत करने के लिए भारतीय रेल के वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर देखें।

1069/24 (ADM)

@CPRONCR | North central railways | @cproncrly | @northcentralrailway | www.ncr.indianrailways.gov.in

खास खबर

पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। तेल कंपनियों ने शनिवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। तेल मार्केटिंग कंपनियां रोज सुबह 6 बजे पेट्रोल और डीजल के भाव अपडेट करती है। इनकी की कीमतों पर सीधा असर वैश्विक स्तर के क्रूड ऑयल की कीमतों के कारण पड़ता है। हर शहर में पेट्रोल और डीजल की अलग अलग होती है, क्योंकि इन पर टैक्स और वैट लगाया जाता है। श?निवार को दिल्ली में पेट्रोल और डीजल की दरें क्रमशः 94.76 रुपये और 87.66 रुपये प्रति लीटर हैं। वहीं मुंबई में पेट्रोल 104.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.13 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.73 रुपये और डीजल की कीमत 92.32 रुपये है।

वीआईएल ने 5जी की पेशकश संबंधी न्यूनतम दायित्व पूरे किए

नई दिल्ली। दूरसंचार सेवा प्रदाता वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) ने कहा कि उसने 5जी नेटवर्क की पेशकश से संबंधित अपने न्यूनतम दायित्वों को पूरा कर लिया है। वोडाफोन आइडिया ने वर्ष 2022 में 17 दूरसंचार सर्किलों में 5जी सेवाएं देने के लिए स्पेक्ट्रम हासिल किया था। कंपनी ने एक बयान में कहा ?कि वोडाफोन आइडिया ने दोनों स्पेक्ट्रम बैंड पर सभी 5जी सर्किलों में अपने न्यूनतम रोलआउट दायित्व को पूरा कर लिया है। दूरसंचार कंपनी को इसके एक साल के भीतर प्रत्येक सर्किल में कम से कम एक शहर में, 2025 तक सभी दूरसंचार सर्किल श्रेणियों में 28 कस्बों में और 2027 तक सभी दूरसंचार सर्किल श्रेणियों में 87 कस्बों में वाणिज्यिक सेवा शुरू करनी थी।

जमाखोरी को रोकने दाल व चने पर स्टॉक सीमा लगी

नई दिल्ली। जमाखोरी को रोकने और उपभोक्ताओं के लिए दालों की कीमत को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है. सरकार ने काबुली चना समेत अरहर और चना जैसी दालों पर 30 सितंबर, 2024 तक स्टॉक सीमा लगा दी है। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने इस संबंध में एक आदेश जारी किया है जो थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं, बड़ी श्रृंखला खुदरा विक्रेताओं, मिल मालिकों और आयातकों पर लागू है।

ओला इलेक्ट्रिक को अपना आइपीओ लाने की मिली मंजूरी

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक स्कूटर बनाने वाली कंपनी ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड को इसी महीने की 20 तारीख को सेबी की तरफ से आईपीओ लाने की आधिकारिक मंजूरी भी मिल गई है। मगर अब पेच आईपीओ के वैल्यूएशन को लेकर फंसता दिख रहा है। वैल्यूएशन को लेकर कंपनी पर निवेशकों का दबाव बनता दिख रहा है। एक एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि कंपनी के फाउंडर भाविश अग्रवाल चाहते हैं कि आईपीओ 7 अरब डॉलर की वैल्यूएशन पर लाया जाए। जबकि कंपनी के निवेशक चाहते हैं कि यह वैल्यूएशन 5 अरब डॉलर तय की जाए। सूत्रों ने बताया कि 5 अरब डॉलर की वैल्यूएशन पर ओला इलेक्ट्रिक के मौजूदा इन्वेस्टर्स आईपीओ के दौरान कंपनी में मौजूदा शेयर नहीं बेचने का विकल्प चुन सकते हैं। लोगों ने कहा कि बातचीत की गई है और कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है।

क्रिस्पी डेज हुए फिर से शुरू

रांची। केएफसी के लिमिटेड टाईम क्रिस्पी डेज ऑफर के साथ साल का सबसे ज्यादा क्रिस्पी समय फिर से वापस आ गया है। 30 जून तक बिल में होगी 40 प्रतिशत तक की बचत, और आप आनंद ले सकेंगे फिंगर लिकिंग गुड केएफसी फेवरीट्स में आईकोनिक हॉट एंड क्रिस्पी लैग पीस और हॉट विंग्स का आनंद केवल 299 रुपये के शुरूआती मूल्य में। अपने नजदीकी केएफसी रेस्टोरैंट में आईये और डाईन-इन पर क्रिस्पी डेज का लाभ उठाईये या केएफसी ऐप द्वारा ऑर्डर करें और फ्री डिलीवरी का मजा लें तो चिकन लवर्स आप किसका इंतजार कर रहे हैं? समय बीत रहा है। 30 जून से पहले इस साल के सबसे क्रिस्पी ऑफर का लाभ उठाएं।

एयर-कंडीशनर की बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची

हवाई जहाज से मंगाना पड़ रहे एसी के कल-पूर्जे

- कुछ कंपनियों ने तांबे और एल्युमीनियम जैसी धातुओं की कीमतों में चार-पांच प्रतिशत तक की वृद्धि की है
- पिछले तीन महीनों में घरेलू एसी उद्योग में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है, जो उम्मीद से कहीं अधिक है

एजेंसी

नई दिल्ली। चालू साल में जबर्दस्त गर्मी के कारण एयर-कंडीशनर की बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुकी है। हालात ऐसे हो गए है कि एसी विनिर्माता कम्प्रेसर, क्रॉस फ्लो पंखे/मोटर और पीसीबी सर्किट जैसे कलपुर्जे विदेशों से हवाई मार्ग से मंगवा रहे हैं, ताकि मांग में आई तेजी को पूरा किया जा सके। उद्योग जगत से जुड़े दिग्गजों ने यह बात कही है। कंपनियां अपनी उत्पादन और आपूर्ति शृंखला को बरकरार रखने के लिए चीन, ताइवान, थाइलैंड, मलेशिया और जापान जैसे देशों के वैश्विक आपूर्तिकताओं से कलपुर्जो को आपातकालीन स्थिति में हवाई मार्ग से मंगा रही हैं, क्योंकि पारंपरिक समुद्री मार्ग से आपूर्ति में अधिक समय लगता है। कुछ कंपनियों ने तांबे और एल्युमीनियम जैसी धातुओं की कीमतों में चार-पांच प्रतिशत तक की वृद्धि की है, जिससे कीमतों में वृद्धि का बोझ ग्राहकों पर पड़ रहा है। कुछ कंपनियों ने कहा कि एसी खरीदने के बाद भी कई स्थानों पर इसे इंस्टॉल करने में एक सप्ताह या उससे अधिक समय लग रहा है, क्योंकि मौजूदा सेवा नेटवर्क नए कनेक्शन या सेवा अनुरोधों को संभालने में असमर्थ है। डायकिन एयरकंडिशनिंग इंडिया के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) कंवलजीत जावा ने कहा कि पिछले तीन महीनों में घरेलू एसी उद्योग में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है, जो उम्मीद से कहीं अधिक है। एसी कंपनियों ने कहा कि उद्योग के पास फिलहाल उस तरह के कलपुर्जों का सहयोग नहीं है, क्योंकि देश में अभी पर्याप्त उत्पादन नहीं हो पा रहा है। ब्लू स्टार के प्रबंध निदेशक बी त्यागराजन ने कहा कि उद्योग 25-30 प्रतिशत तक की वृद्धि के लिए तैयार है और किसी ने भी मांग में 70-80 प्रतिशत वृद्धि की योजना नहीं बनाई थी। भीषण गर्मी ने मांग को इस लेवल पर पहुंचा दिया है कि आपूर्ति पूरी करना संभव नहीं हो पा रहा। पारा बढ़ने के साथ ही एसी की कीमतों में भी बढ़ोतरी देखी जा रही है।

बेंगलुरु एफसी प्लेयर्स व भारत सरकार ने की सन किंग के नवीनतम सौर समाधानों की पेशकश

एजेंसी

बेंगलुरु। घरों, व्यवसायों और संगठनों को चौबीसों घंटे और सातों दिन बिजली प्रदान करने में प्रमुख, पॉवरहब 3300 और पॉवरप्ले प्रो उन लोगों के लिए आदर्श सौर समाधान हैं, जिन्हें आसानी से बिजली उपलब्ध नहीं होती है। एक विशिष्ट कार्यक्रम के दौरान, सन किंग की उच्च शक्ति वाले सोलर सिस्टम्स की नई श्रृंखला- द पॉवरहब और पॉवरप्ले का अनावरण किया गया। उक्त अनावरण बेंगलुरु एफसी के प्रमुख प्लेयर्स के करकमलों द्वारा किया गया, जिनमें दिग्गज फुटबॉल प्लेयर सुनील छेत्री, श्रेयस केतकर और विनीत संजय शामिल रहे। पॉवरहब 3300, पॉवरहब रेंज का पहला प्रोडक्ट है। इसे अविश्वसनीय इलेक्ट्रिकल ग्रिड के लिए पूर्णतः प्रतिस्थापन के रूप में डिजाइन किया गया है। वहीं, पॉवरप्ले प्रो, पॉवरप्ले श्रृंखला में सन किंग का पहला पोर्टेबल सोलर इन्वर्टर है। यह उन लोगों के लिए एक आदर्श विकल्प है, जो अक्सर यात्राओं में शामिल रहते हैं या अपने घरों के लिए बैकअप पॉवर सप्लाई चाहते हैं। ग्रीन एनर्जी कंपनी सन किंग और बेंगलुरु एफसी के बीच विगत वर्ष सितंबर माह में विशेष साझेदारी के तहत, फुटबॉल क्लब के आधिकारिक 'लाइटिंग पार्टनर' के रूप में, सन किंग ने बेंगलुरु एफसी के प्रशंसकों के लिए एनर्जी-एफिशिएंट इलेक्ट्रिकल एप्लायंसेस की पेशकश की, जिसमें बल्ब, टॉर्च, सोलर प्रोडक्ट्स और अन्य इलेक्ट्रिकल प्रोडक्ट्स शामिल थे। इस कार्यक्रम के अंतर्गत, हाल ही में सेवानिवृत्त हुए भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री के साथ दर्शकों ने जाना कि सन किंग पॉवरहब 3300 और पॉवरप्ले प्रो सोलर सिस्टम किस तरह कुशलता से घरों और व्यवसायों को बिजली की पहुँच सुनिश्चित कर सकते हैं। भारत में इन प्रोडक्ट्स की खरीदी ग्राहक सन किंग के डिस्ट्रीब्यूशन पार्टनर्स के जरिए कर सकते हैं।

पीएफआरडीए पेंशन व्यवस्था आकर्षक बनाने लाएगा नया लाइफ साइकिल फंड

- इक्विटी कोष में लंबे समय तक अधिक निवेश राशि आवंटित की जा सकेगी

एजेंसी

नई दिल्ली। पेंशन कोष नियामक पीएफआरडीए युवाओं के बीच नई पेंशन व्यवस्था (एनपीएस) को आकर्षक बनाने के लिए न्यू बैलेंस्ड लाइफ साइकिल फंड लाने की योजना बना रहा है। इससे सेवानिवृत्ति तक अंशधारक को एक अच्छा-खासा कोष बनाने में मदद मिलेगी। पीएफआरडीए की इस प्रस्तावित योजना के तहत इक्विटी कोष में लंबे समय तक अधिक निवेश राशि आवंटित की जा सकेगी। इस योजना के अंतर्गत अंशधारक के 45 साल का होने पर इक्विटी निवेश में धीरे-धीरे कमी आएगी जबकि अभी 35 साल से यह कटौती शुरू हो जाती है। पेंशन कोष विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) के चेयरमैन दीपक मोहंती ने कहा कि हम अधिक लंबे समय तक इक्विटी शेयर फंड में निवेश आवंटित करने को लेकर जुलाई-सितंबर में न्यू बैलेंस्ड लाइफ साइकिल फंड लेकर आएंगे। उन्होंने अटल पेंशन योजना से संबंधित एक कार्यक्रम में कहा कि एनपीएस की गैर-सरकारी कर्मचारियों के लिए लाई जाने वाली इस नई योजना के अंतर्गत 45 साल के उम्र से इक्विटी निवेश में धीरे-धीरे कमी आएगी जबकि अभी 35 साल से ही यह कटौती शुरू हो जाती है। ऐसा होने पर एनपीएस का विकल्प चुनने वाले लोग लंबे समय तक इक्विटी कोष में अधिक राशि का निवेश कर सकेंगे। इससे दीर्घकाल में पेंशन कोष बढ़ेगा जबकि जोखिम और रिटर्न के बीच संतुलन भी स्थापित होगा। वर्तमान में अभी तीन लाइफ साइकिल (एलसी) कोष हैं। इन्हें एलसी 75, एलसी 50 और एलसी 25 के नाम से जाना जाता है। ये कोष ग्राहकों को निवेश का एक विकल्प प्रदान करते हैं। इसके तहत निवेशक इक्विटी और बॉन्ड में निवेश की जाने वाली राशि के आवंटन का विकल्प चुनते हैं।

अक्षर योग केंद्र ने रचा इतिहास

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर बनाए पांच गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

रांची। अक्षर योग केंद्र ने अपने संस्थापक और पूज्य हिमालयन सिद्ध योगी अक्षर के दूरदर्शी नेतृत्व में इस अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर शुक्रवार को पांच नए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर इतिहास रच दिया। हजारों योग साधकों और समाज के विभिन्न क्षेत्रों के उत्साही लोगों ने बेंगलुरु स्थित अक्षर योग केंद्र में आयोजित योग कार्यक्रम में विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए नौकासन (बोटपोज), कौंडिन्यासन (सागाकौंडिन्यआसन), चक्रासन (व्हीलपोश्चर), नटराजासन (लॉडशिवापोज) और सूर्य नमस्कार (सनसैल्यूटेशन) सहित कुल सात योगासनों में प्रतिभाग किया। इन पांच आसनों (नौकासन, कौंडिन्यासन, चक्रासन, नटराजासन और सूर्य नमस्कार) में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बना। शेष दो आसनों में पॉजिटिव रेस्पांस है और रिजल्ट का इंतजार है। इस कार्यक्रम में भारतीय सेना, एनसीसी, वायुसेना, कर्नाटक राज्य पुलिस के सदस्यों के साथ-साथ दिव्यांगों, अनाथालयों के बच्चों, व्यवसाय और कॉरपोरेट समुदाय के सदस्यों सहित 3000 से अधिक लोगों ने भाग लिया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हिमालयन सिद्ध योगी अक्षर ने कहा, 'आसन और तकनीक के अलावा, योग व्यक्ति के बेहतर मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की समग्र अवधारणा है।

भैरवा एंथम : कल्कि २८९८ एडी से प्रभास व दिलजीत दोसांझ का गाना रिलीज

एजेंसी

मुंबई। कल्कि 2898 एडी दर्शकों के बीच लम्बे समय से चर्चा का विषय बनी हुई है। इसकी रिलीज को लेकर इंतजार आखिरकार कुछ ही दिनों में खत्म होने को है। इसी बीच, कल्कि 2898 एडी के निर्माताओं ने भारत के सबसे बड़े गाने- भैरवा एंथम का अनावरण कर दिया है। जिसमें ग्लोबल आइकन प्रभास और दिलजीत दोसांझ विशेष आकर्षण का केंद्र होंगे। कल्कि 2898 एडी एक ऐसी5 फिल्म है, जिसे सिर्फ एक सपना ही कहा जा सकता है। यह अभूतपूर्व फिल्म देश के शीर्ष अभिनेताओं को एकजुट करती है। यह 4 टन के भविष्य के वाहन को भी प्रदर्शित करती है, जिसका नाम है 'बुज्जी', जो इस समय भारत में घूम रहा है। कल्कि 2898 एडी में अमिताभ बच्चन व सभी स्टार कलाकार हैं। वैजयंती मूवीज द्वारा निर्मित यह फिल्म 27 जून, 2024 को दुनिया भर में रिलीज होगी।

फोन्स की जगह लेंगे न्यूरालिंक ब्रेन चिप्स : एलन मस्क

एजेंसी

नई दिल्ली। क्या आने वाले दिनों में ऐसी कोई टेक्नोलॉजी आ जाएगी जो स्मार्टफोन्स की जगह ले लेगी। इस बारे में दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क का मानना है कि ऐसा जल्द ही होगा और ये न्यूरालिंक के जरिए होगा। एलन मस्क का मानना है कि न्यूरालिंक ब्रेन चिप्स भविष्य में फोन्स की जगह ले लेंगे। एक्स में एक पोस्ट को रिप्लाई करते हुए उन्होंने लिखा है कि भविष्य में कोई फोन नहीं होगा, केवल न्यूरालिंक होगा। बता दें कि एलन मस्क न्यूरालिंक के सीईओ भी हैं जो ब्रेन चिप तकनीक पर काम कर रही है। ये कंपनी 29 वर्षीय नोलैंड अर्बांग पर पहला ह्यूमन ट्रायल भी कर रही है। मस्क ने ऊपर कही बात एक पोस्ट की प्रतिक्रिया पर दी थी। इस पोस्ट में मस्क की एक एआई जनरेटेड पिक्चर है, जहां मस्क ने अपने माथे पर न्यूरल नेटवर्क डिजाइन के साथ एक फोन पकड़ा हुआ है और पूछा है कि क्या लोग अपने डिवाइस को विचारों के जरिए कंट्रोल करने के लिए न्यूरालिंक इंटरफेस इंस्टॉल करेंगे इस पोस्ट पर काफी सारे लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक शख्स ने लिखा है कि लव यू एलन। लेकिन भाई, मैं अपने दिमाग में कुछ भी नहीं इंस्टॉल करूंगा। यह मेरे लिए बिल्कुल भी सही नहीं है भाई। जबकि दूसरे ने लिखा, यह बहुत ही अजीब होने वाला है। बता दें कि टेक्नोलॉजी और खासतौर पर स्मार्टफोन्स की दुनिया में काफी तेजी से बदलाव हो रहे हैं। फोन्स में आजकल एआई की खूबियों पर खासा ध्यान दिया जा रहा है। बीते दिनों एमडब्ल्यूसी 2024 के दौरान कई ऐसे फोन्स भी दिखाई दिए, जो मौजूदा फोन्स से काफी अलग थे।

केपीएमजी प्रमुख परियोजना प्रोजेक्स हिमालय शुरू करेगी

नई दिल्ली। परामर्श सेवा, प्रौद्योगिकी और मानव संसाधन जैसे क्षेत्रों की चार बड़ी कंपनियों (बिग फोर) में शामिल केपीएमजी अगले कुछ महीनों में कंपनी की प्रमुख परियोजना प्रोजेक्ट हिमालय शुरू करने पर विचार कर रही है और उसी के लिए यह तैयारी की जा रही है। प्रोजेक्ट हिमालय की घोषणा पिछले साल की गई थी। इसके तहत केपीएमजी ने अमेरिका, ब्रिटेन और भारत में अपनी इकाइयों में परामर्श, जोखिम और सलाहकार डिलिवरी क्षमताओं का विलय करने की योजना बनाई है। समझा जा रहा है इस पहल से भारत में केपीएमजी का परामर्श कारोबार बहुत बढ़ जाएगा।

एसबीआई ने सरकार को दिया 6959 करोड़ का लाभांश

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के प्रमुख बैंक एसबीआई ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए सरकार को करीब 6959 करोड़ रुपए का लाभांश और बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने 857 करोड़ रुपए का लाभांश दिया है। अहम बात यह है कि एसबीआई द्वारा दिया गया लाभांश पिछले वर्ष की तुलना में करीब 23 फीसदी ज्यादा है। एसबीआई के चेयरमैन दिनेश कुमार खारा ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को लाभांश का चेक सौंपा। इस मौके पर वित्तीय सेवा सचिव विवेक जोशी भी मौजूद थे। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि एसबीआई के चेयरमैन दिनेश कुमार खारा ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 6959.29 करोड़ रुपए का लाभांश चेक निर्मला सीतारमण को सौंपा। एसबीआई ने पिछले वित्त वर्ष के लिए 13.70 रुपए प्रति शेयर का लाभांश दिया। यह पिछले वर्ष में दिए गए 11.30 रुपए प्रति इक्विटी शेयर लाभांश से अधिक है। बैंक का मुनाफा 2023-24 में रिकॉर्ड 67,085 करोड़ रुपए रहा जो उसके एक साल पहले 55,648 करोड़ रुपए था। इसी तरह सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को 857 करोड़ रुपए का लाभांश चेक सौंपा। बीओएम के प्रबंध निदेशक निधु सक्सेना और कार्यकारी निदेशक आशीष पांडे ने वित्त मंत्री को चेक सौंपा। इस मौके पर वित्तीय सेवा सचिव विवेक जोशी भी मौजूद थे। बीओएम ने कहा कि बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 1.40 रुपए प्रति इक्विटी शेयर (14 प्रतिशत) का लाभांश घोषित किया है।

ओला इलेक्ट्रिक का आईपीओ लाना अब हो गया पक्का

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक कंपनी अब भारत में आईपीओ लाने की तैयारी कर रही है। सेबी की तरफ से कंपनी को इसकी मंजूरी मिल गई है। जानकारी के मुताबिक, इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली कंपनी 7,250 करोड़ रुपये का आईपीओ लाएगी। बता दें कि ओला इलेक्ट्रिक भारत की पहली इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी होगी, जो शेयर बाजार में एंट्री करने जा रही है। ओला इलेक्ट्रिक की योजना फ्रेश इश्यू (नए शेयर) के जरिये 5,500 करोड़ रुपये जुटाने की है। बाकी रकम यानी 1750 करोड़ रुपये कंपनी ऑफर फॉर सेल के जरिये जुटाएगी। सॉफ्टबैंक और टेमासेक द्वारा समर्थित कंपनी ओला ने 22 दिसंबर 2023 को सेबी के पास डायरेक्ट रेड हेयरिंग प्रोसपेक्ट्स फाइल किया था।

बीमा कंपनियां विज्ञापनों में यूलिप को निवेश की तरह दिखाना बंद करें : इरडा

एजेंसी

नई दिल्ली। बीमा नियामक इरडा ने यूनिट लिंक्ड पॉलिसीज (यूलिप) को लेकर सख्त रवैया अपनाया है, नियामक ने बीमा कंपनियों से कहा है की वह यूलिप को निवेश की तरह दिखाना बंद करें। इसे लेकर बीमा नियामक ने हाल ही में एक मास्टर सर्कुलर जारी किया है। इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने यूलिप के विज्ञापनों को लेकर 19 जून को एक मास्टर सर्कुलर जारी किया। सर्कुलर में इरडा ने विज्ञापनों में यूनिट लिंक्ड या इंडेक्स लिंक्ड प्रोडक्ट को इन्वेस्टमेंट प्रोडक्ट की तरह दिखाने पर रोक लगा दी है। नियामक ने इसे लेकर विस्तार से गाइडलाइंस जारी कर बीमा कंपनियों को उनका पालन करने के लिए कहा है। नियामक ने बीमा कंपनियों को इसके साथ ही विज्ञापनों में कई चीजों से बचने के लिए कहा है। जैसे कंपनियां ऐसी किसी भी सर्विस का विज्ञापन नहीं कर सकती हैं, जो बीमा से नहीं जुड़ा है। किसी जनरल इंश्योरेंस प्रोडक्ट के मामले में बीमा कंपनियां पुरानी दरों से रेट या डिस्काउंट को कंपेयर नहीं कर सकती हैं। स्पष्ट तरीके से जोखिमों की जनकारी दिए बिना बीमा कंपनियां इंश्योरेंस प्रोडक्ट के संभावित फायदों को हाईलाइट नहीं कर सकती हैं।

सेंसेक्स और निफ्टी में आधा फीसदी की रही तेजी

- सेंसक्स 269 अंकों की गिरावट के साथ 77,209 पर बंद
- निफ्टी 65.91 अंक टूटकर 23,501 अंकों पर बंद

एजेंसी

मुंबई। वैश्विक बाजारों में नरमी के रुख के बीच स्थानीय बाजार में तेल एवं गैस, पूंजीगत उत्पाद और दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों (एफएमसीजी) के शेयरों में बिकवाली होने से लगातार छह सत्रों से जारी तेजी का सिलसिला शुक्रवार को थम गया। घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को हफ्ते के आखिरी दिन बाजार में भारी मुनाफावसूली दिखाई दी। हफ्ते भर में बाजार ने जो रिकॉर्ड बनाए थे, उससे बाजार काफी नीचे आ गए। जिससे बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में आधा फीसदी की तेजी दर्ज की गई। सोमवार को ईद के अवसर पर शेयर बाजार रहने से बीता कारोबारी सप्ताह छोटा रहा। बीते कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो मंगलवार को सेंसेक्स और निफ्टी अपने नए ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए। सेंसेक्स 226.62 अंकों की बढ़त के साथ 77,244.17 पर खुला और 308 अंक बढ़कर 77,301 पर बंद हुआ। निफ्टी 78.91 अंकों की बढ़त के साथ 23,544.50 पर खुला और 92 अंक बढ़कर 23,558 पर बंद हुआ। बुधवार को शुरूआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 173.32 अंकों की बढ़त के साथ 77,457.33 पर खुला और 36.45 अंकों की बढ़त के साथ 77,337.59 पर बंद हुआ। निफ्टी 21.35 अंक मजबूत होकर 23,579.25 पर खुला और 41.91 अंकों की गिरावट के साथ 23,516.00 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 97.69 अंक टूटकर 77,254.01 पर खुला और 141.34 अंकों की बढ़त के साथ 77,478.93 के नए हाई पर बंद हुआ। निफ्टी 32.46 अंकों की गिरावट के साथ 23,483.55 के लेवल पर खुला और 51.00 अंक चढ़कर पहली बार 23,567.00 पर बंद हुआ। शुक्रवार के कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार में शुरूआती बढ़त के बाद ऊपरी स्तरों से बिकवाली दिखी। बैंकिंग और एफएमसीजी शेयरों के टूटने से प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी कमजोर पड़ गए। इस दौरान सेंसेक्स 500 अंकों तक फिसल गया। वहीं निफ्टी 23500 के नीचे आ गया। इससे पहले आईटी शेयरों में मजबूती से घरेलू शेयर बाजार में बढ़त का सिलसिला बरकरार रहा। शुक्रवार को सेंसक्स 2.25 अंकों की गिरावट के साथ 77,476.68 पर खुला और 269.03 अंकों की गिरावट के साथ 77,209.90 पर बंद हुआ। निफ्टी भी बढ़त गंवाकर महज 31.16 अंकों की तेजी के साथ 23,598.15 पर खुला और 65.91 अंक टूटकर 23,501.10 अंकों पर बंद हुआ।

अमेजन बिजनेस पर वैल्यू डेज सेल कल से

रांची। अमेजन बिजनेस ने सभी बिजनेस कस्टमर्स के लिए अपने फ्लैगशिप इवेंट बिजनेस वैल्यू डेज की घोषणा की है। ये सेल 24 जून को शुरू होगी और 30 जून तक चलेगी। यह इवेंट बिजनेस कस्टमर्स को अतिरिक्त लाभ उपलब्ध कराएगी। इसमें ग्राहक स्मार्टवॉच, होम एंड किचन एप्लाएंसेस, लैपटॉप, ऑफिस फर्नीचर, सिक्यूरिटी कैमरा, स्मार्ट टीवी व अन्य उत्पादों पर बेजोड़ डील्स और ऑफर्स का फायदा उठा सकते हैं। बिजनेस कस्टमर्स लैपटॉप, मॉनिटर्स, स्मार्टवॉच, ऑफिस फर्नीचर, स्माल एंड लार्ज एप्लाएंसेस, सिक्यूरिटी कैमरा, डेकोर एंड फर्निशिंग प्रोडक्ट्स, स्मार्ट टीवी और अन्य ऑफिस इम्प्रूवमेंट प्रोडक्ट्स कैटेगरी में लाखों उत्पादों पर 70 प्रतिशत तक छूट प्राप्त कर सकते हैं। इतना ही नहीं, बिजनेस कस्टमर्स इन उत्पादों पर 9999 तक का 10 प्रतिशत अतिरिक्त कैशबैक भी हासिल कर सकते हैं। डील्स और ऑफर्स के अलावा, बिजनेस कस्टमर्स मुफ्त में प्राइम सब्सक्रिप्शन के लिए भी साइन-अप कर सकते हैं और फ्री एंड फास्ट शिपिंग का फायदा उठा सकते हैं। इतना ही नहीं अपने अकाउंट को मल्टी-यूजर अकाउंट्स में परिवर्तित कर सकते हैं, जिससे वे एक अमेजन बिजनेस अकाउंट में कई सारे टीम मेंबर्स को जोड़ सकते हैं और प्रत्येक टीम के लिए अप्रूवल पॉलिसी और बजट सीमा अलग-अलग तय कर सकते हैं।

खास खबर

खेल का पूरा लुत्फ उठा रहे हैं कमिंस

एंटीगा । ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेटर पैट कमिंस टी20 की कप्तानी से मुक्त हो चुके हैं। कमिंस अब खेल का पूरा लुत्फ उठा रहे हैं। कमिंस को इस बात की बेहद खुशी है कि उनकी टीम टी20 विश्व कप में हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। कमिंस ने बांग्लादेश के खिलाफ सुपर 8 के मैच में हैट्रिक बनाई। उन्होंने 29 रन देकर तीन विकेट लिए और अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। कमिंस ने मैच के बाद कहा, ह्रहमने वास्तव में हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया है। हमने शानदार खेल दिखाया जैसे कि आप सुपर 8 चरण में चाहते हैं। उन्होंने कहा, ह्रहमें लग रहा है कि हमने सभी क्षेत्रों में सुधार कर लिया है और इसलिए हमारा प्रदर्शन अच्छा रहा। इससे भी अच्छी बात यह है कि मैं कप्तान या चयनकर्ता नहीं हूं और इसलिए मैं बिना किसी चिंता के अपने खेल का लुत्फ उठा रहा हूं। कमिंस ने कहा, हमने अच्छे रन रेट के साथ दो अंक हासिल किये।

स्टार्क ने तोड़ा मलिंगा का रिकार्ड

नॉर्थ साउंड । ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने बांग्लादेश के खिलाफ पहला विकेट लेते ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। स्टार्क अब विश्वकप में सबसे अधिक विकेट लेने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। उन्हें टी20 और एकदिवसीय विश्वकप में अब तक सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं। अब स्टार्क के विकेटों की संख्या 95 हो गयी है। स्टार्क ने विश्व कप में अपने 52 वें मैच में ये आंकड़ा हासिल किया। इस प्रकार उन्होंने श्रीलंका के तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा का रिकॉर्ड तोड़ दिया। मलिंगा के नाम विश्वकप में 94 विकेट हैं। ये विकेट उन्होंने 60 मैचों में लिए। ऐसे में अब स्टार्क इस विश्वकप में विकेटों का शतक भी बना सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया को अभी सुपर आठ में दो मैच खेलने हैं। इसके अलावा अगर टीम सेमीफाइनल में पहुंची तो उनके पास और भी अच्छा अवसर हो जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगी भारतीय टीम

मुम्बई । भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम इस साल के अंत में दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगी। भारतीय टीम इस दौरे में 4 मैच की टी20 सीरीज खेलेगी। ये सीरीज नवंबर में होगी। भारतीय पुरुष टीम का दक्षिण अफ्रीका का ये लगातार दूसरा दौरा होगा। इस दौरे में चार टी20 मैचों में से पहला मैच 8 नवंबर को डरबन के किंग्समीड में खेला जाना है। इसके बाद टीमें 10 नवंबर को दूसरे मैच के लिए गेकेबरहा जाएंगी। उसके बाद सेंचुरियन में हाईवेल्ड 13 नवंबर और जोहान्सबर्ग में 15 नवंबर को अंतिम मैच खेला जाएगा। भारतीय टीम पिछले साल भी दक्षिण अफ्रीका गयी थी पर तब दोनो के बीच सीरीज 1-1 से बराबरी पर रही थी। तब डरबन में खेला गया मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था।

इन्दौर में ओलिंपिक सप्ताह आज से

इन्दौर । विभिन्न ओलिंपिक संघ पूरे विश्व में ओलिंपिक मूल्यों से अवगत कराने हेतु विभिन्न खेल, शैक्षणिक तथा सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन 23 जून को पूरे विश्व में ओलिंपिक दिवस के रूप में मनाने जा रहा है। म.प्र. ओलिंपिक संघ 23 जून से बड़े पैमाने पर ओलिंपिक सप्ताह का आयोजन करने जा रहा है। इसी तारतम्य में 24 जून को स्थानीय अभय प्रशाल में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उक्त जानकारी देते हुए म.प्र. ओलिंपिक संघ के उपाध्यक्ष तथा कार्यक्रम के सूत्रधार ओम सोनी ने बताया कि ओलिंपिक सप्ताह की शुरूआत 22 जून को शाम के सत्र में भोपाल में कार्यक्रम कर आयोजित की जायेगी। 23 जून को जबलपुर तथा 24 जून को शाम 5:30 बजे अभय प्रशाल में आयोजित समारोह में विभिन्न गतिविधियों के साथ ही करीब 30 खेलो के एक हजार खिलाड़ियों को ओलिंपिक टी-शर्ट्स प्रदान की जायेगी।

वेस्टइंडीज ने अमेरिका को 9 विकेट से हराया

एजेंसी

ब्रिजटाउन। वेस्टइंडीज ने शनिवार (भारतीय समय) को केंसिंग्टन ओवल में यूएसए को नौ विकेट से हराकर चल रहे टी 20 विश्व कप के सुपर 8 में अपनी पहली जीत दर्ज की। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए यूएसए की टीम 19.5 ओवर में केवल 128 रनों पर सिमट गई। जवाब में वेस्टइंडीज ने केवल 10.5 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया।129 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज टीम को चोटिल ब्रैंडन किंग की जगह आए शाई होप ने जानसन चार्ल्स के साथ शानदार शुरूआत दिलाई। सौरभ नेत्रवलकर ने पहला ओवर बढ़िया फेंका, लेकिन होप ने अगले ओवर में नोस्टुश केंजीगे की गेंद

पर एक शानदार छक्का लगाया और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। होप के बल्ले से बाउंड्री की बारिश होने लगी। दूसरी ओर चार्ल्स ने केवल स्ट्राइक रोटेट की। होप के आक्रामक बल्लेबाजी की बदौलत विंडीज को पावरप्ले में 58 रन जोड़ दिये।सातवें ओवर की दूसरी गेंद पर होप ने हरमीत सिंह की गेंद पर छक्का जड़कर केवल 26 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। हालांकि इसी ओवर की आखिरी गेंद पर हरमीत ने चार्ल्स को मिलिंद कुमार के हाथों कैच कराकर वेस्टइंडीज को पहला झटका दिया। चार्ल्स ने 14 गेंदों पर 2 चौके की बदौलत 15 रन बनाए।होप की पारी का सबसे बेहतरीन पल छक्कों की हैट्रिक थी, उन्होंने 9वें ओवर में मिलिंद कुमार की आखिरी तीन गेंदों पर तीन गगनचुंबी छक्के लगाए।

इसके बाद निकोलस पूरन ने 11वें ओवर में सौरभ नेत्रवलकर को लगातार दो छक्के जड़े और फिर एक सिंगल लेकर होप का स्ट्राइक दिया। होप ने इस ओवर की पांचवीं गेद पर छक्का लगाकर शानदार अंदाज में वेस्टइंडीज को नौ ओवर और 1 गेंद रहते नौ विकेट से जीत दिलाई। होप ने 39 गेंदों पर नाबाद 82 रनों की तेज पारी खेली, इस दौरान उन्होंने 4 चौके और 8 छक्के लगाए, जबकि पूरन ने 12 गेंदों पर 3 छक्के और 1 चौके की बदौलत नाबाद 27 रन बनाए।

तीरंदाजी विश्व कप 3: भारतीय कंपाउंड महिला टीम ने फाइनल जीता

एजेंसी

नई दिल्ली। शीर्ष रैंकिंग वाली भारतीय कंपाउंड महिला टीम ने शनिवार को तुर्की के अंताल्या में तीरंदाजी विश्व कप स्टेज-3 के फाइनल में स्वर्ण पदक जीता।

ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर की भारतीय तिकड़ी ने खिताबी मुकाबले में छठी रैंकिंग वाली एस्टोनिया (232-229) को हराया। इसी के साथ भारतीय तिकड़ी की 2024 में तीरंदाजी विश्व कप में स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी हुई। टीम ने इस साल की शुरूआत में शंघाई और येचियन में आयोजित पिछले चरणों में स्वर्ण पदक जीते थे।

स्टेज 3 में, भारत को पहले दौर में बाई मिली, जिसमें केवल 10 देश शामिल थे, तथा फिर उसने अल साल्वाडोर को 235-227 से तथा मेजबान तुर्की को 234-227 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

प्रियांश, अभिषेक वर्मा और प्रथमेश फुगे की मौजूदगी वाली शीर्ष भारतीय पुरुष टीम सेमीफाइनल में तुर्की से 236-236 (शूट-ऑफ 30-30, तुर्की ने सेंटर के करीब शॉट मारा) से हार गई।भारत कांस्य पदक के मैच में भी फ्रांस से 236-235 से हार गया।

मांजरेकर और कुंबले ने बुमराह को शीर्ष स्तर का गेंदबाज बताया

एजेंसी

ब्रिजटाउन । संजय मांजरेकर और अनिल कुंबले सहित कई दिग्गज क्रिकेटरों ने भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदवाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि भारतीय टीम भाग्यशाली जो उसके पास बुमराह जैसा शीर्ष स्तर का तेज गेंदबाज है। मांजरेकर का मानना है कि बुमराह अन्य गेंदबाजों से कहीं आगे हैं। मांजरेकर ने कहा, ह्रदुनिया के बाकी शीर्ष गेंदबाजों को देखें तो बुमराह और उनमें काफी अंतर है।

वहीं पूर्व कप्तान अनिल कुंबले

ने कहा, ह्रअपनी गेंदबाजी को वह काफी अच्छी प्रकार से समझता है, वह पता चलता है। उसने हर बल्लेबाज के खिलाफ अध्ययन कर रखा है और रणनीति पर सटीक अमल कर रहा है। यह आसानी से नहीं होता। पूरे विश्वकप टूनार्मेंट में उसकी गेंदों पर बहुत कम चौके छक्के लगे हैं। वहीं इससे पहले स्पिनर अक्षर पटेल ने बुमराह का विश्वस्तरीय गेंदबाज बताते हुए कहा कि उसको बताने की जरुरत नहीं पड़ती। वह जानता है कि कब क्या करना है। इसके अलावा आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को लेकर कहा कि उसके रहने से विश्वकप में भारतीय टीम को लाभ हुआ है। उन्होंने कहा, ह्रभारत के पास दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टी20 बल्लेबाजों में से एक है। कठिन पिच पर राशिद खान जैसा गेंदबाज सूर्यकुमार के सामने पिट रहे हैं।

आरोन जोन्स ने मारा शानदार सिक्स

एजेंसी

बारबाडोस । आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 में सुपर 8 के मुकाबले में अमेरिका और वेस्टइंडीज एक दूसरे के आमने-सामने हैं।

आरोन जोन्स की कप्तानी वाली अमेरिका को टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने के लिए उतरना पड़ा। यूएसए की बल्लेबाजी इतनी खास नहीं रही। वह पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल सके और 19.5 ओवर में 128 रन के स्कोर पर ऑल आउट हो गए। खुद कप्तान आरोन जोन्स ने 11 गेंद में केवल 11 रन बानए। लेकिन जोन्स ने अपनी पारी में

एक छक्का जरूर लगाया था, इस गगनचुंबी सिक्स से उन्होंने महफिल लूट ली। दरअसल, अमेरिका की पारी का 8वां ओवर वेस्टइंडीज की तरफ से तेज तर्रार गेंदबाज अल्जारी जोसेफ डाल रहे थे। उनके ओवर की दूसरी गेंद पर आरोन जोन्स स्ट्राइक पर थे। 145 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से जोसेफ ने जोन्स को थोड़ी छोटी गेंद की, जोकि उनके बैट पर अच्छे तरीके से आई। जोन्स ने गेंद को डीप मिड विकेट के ऊपर से मारा और गेंद को सीधा बाउंड्री के बाहर भेज दिया। गेंद स्टेडियम की छत पर जाकर गिरी। यह 101 मीटर का छक्का था। जोन्स के इस गजब के शॉट ने महफिल लूट ली।

पेरिस ओलंपिक में तटस्थ दर्जे के तहत उतरेंगे 14 रुसी खिलाड़ी : आईओसी

एजेंसी

पेरिस । अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक संघ (आईओसी) के अनुसार रूस और बेलारूस को यूक्रेन पर हमले के कारण पेरिस ओलंपिक में टीम स्पधाओं में भाग लेने की अनुमति नहीं दी गयी है पर रूस के 14 और बेलारूस के 11 खिलाड़ी तटस्थ दर्जे के अंतर्गत इन खेलों में भाग ले सकेंगे। ये खिलाड़ी अपने-अपने देशों के झंडे का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे। वहीं आईओसी ने कहा है कि रूस और बेलारूस के व्यक्तिगत खिलाड़ियों को अन्य खेलों की क्वालीफाइंग स्पधाओं में तटस्थ दर्जे में खेलने की अनुमति दी गयी है लेकिन उन्हें ओलंपिक में खेलने के लिए फिर आवेदन करना होगा। आईओसी ने पहले दौर में पांच खेलों साइकिलिंग, जिम्नास्टिक, ताइक्वांडो, भारोत्तोलन और

कुश्ती में खिलाड़ियों की सूची घोषित की। वहीं अन्य ओलंपिक खेलों के खिलाड़ियों की सूची अभी आनी शेष है। ताइक्वांडो में किसी भी एथलीट को मंजूरी नहीं दी गयी। वहीं यूक्रेन के खिलाड़ियों और अधिकारियों ने आईओसी से अपील की थी कि रूस और बेलारुस के सभी खिलाड़ियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाये। रूस और बेलारूस के खिलाड़ी ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में भी भाग नहीं ले पायेंगे हालांकि वे समारोह को देख सकेंगे

पुरानी चयन समिति वाली व्यवस्था बहाल करेगा पीसीबी

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम को प्रदर्शन टी20 विश्व कप में इस बार बेहद खराब रहा और वह सुपर आठ में भी नहीं पहुंच पायी। उसके बाद से ही पाक क्रिकेट में उथल-पुथल मची हुई है। प्रशंसकों की नाराजगी को देखते हुए अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) चयन समिति में बदलाव पुरानी चयन समिति वाली व्यवस्था पर लौटने जा रहा है। इसका कारण है कि कोई मुख्य चयनकर्ता नहीं रखने का प्रयोग विफल रहा है। पाक टीम को भारत के अलावा अमेरिका जैसी नई टीम से भी हार का सामना करना पड़ा है। इसी को देखते हुए अब पीसीबी पुरानी व्यवस्था पर लौट सकता है जिसमें एक मुख्य चयनकर्ता और दो या तीन चयनकर्ता होते थे। इसमें चयन बैठकों में कप्तान और मुख्य कोच नहीं बैठते थे।

डिकॉक का कैच लपकते ही जश्न मनाने लगे मार्क वुड

- थर्ड अंपायर ने खोली पोल, इंग्लैंड खिलाड़ी की धोखेबाजी पकड़ाई

एजेंसी

सेंट लुसिया। टी20 विश्व कप 2024 के सुपर-8 के एक रोमांचक मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने इंग्लैंड को हराया। मैच में साउथ अफ्रीका ने छह विकेट पर 163 रन बनाए थे। इसके जवाब में इंग्लैंड टीम छह विकेट पर 156 रन ही बना सकी और सात रन से हार गई। इंग्लैंड लक्ष्य के करीब थे, लेकिन आखिरी तीन ओवरों में मार्को यानसेन, कागिसो रबाडा और एनरिक नोर्त्जे ने शानदार खेल दिखाते हुए साउथ अफ्रीका को जीत दिलाई। इस मैच ने खूब सुर्खियां भी बटोरी हैं। दरअसल, मार्क वुड ने क्विंटन

डिकॉक का कैच लपकने का दावा किया, लेकिन गेंद असल में जमीन छू गई थी। वह जश्न भी मनाने लगे, लेकिन जब सच्चाई सामने आई तो हर कोई हैरान रह गया। दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने 22 गेंदों में अर्धशतक जड़कर अपनी टीम की शानदार शुरूआत की। वह रनों की बौछार कर रहे थे तो 9वां ओवर करने आए आदिल राशिद की गेंद पर डिकॉक ने शॉट खेला। स्लॉग स्वीप ने मार्क वुड ने कैच लपकते हुए जश्न मनाया, हालांकि डिकॉक इस कैच को लेकर सहमत नहीं थे। इस बीच अंपायर ने थर्ड अंपायर की मदद मांगी। अंपायर जोएल विल्सन शुरू में डिकॉक को आउट देने के पक्ष में थे। उन्होंने कहा उंगलियां गेंद के नीचे है, लेकिन क्या आप मुझे दूसरा कोण बता सकते हैं? साइड-ऑन शॉट देखने पर उनका मन बदल गया। वह बोले- ऐसा लग रहा है कि गेंद अब जमीन पर है। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें लगा कि उंगलियां गेंद के नीचे नहीं हैं। उन्होंने डीकॉक को नॉट आउट करार दिया। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने अंपायरों से फैसले पर बातचीत की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। कमेंट्री पर इयोन मोर्गन ने कहा- वुड और बटलर दोनों ही स्पष्ट रूप से खुश नहीं हैं। शॉन पोलक ने महसूस किया कि अंपायर ने सही फैसला किया। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि रीप्ले में ऐसा लग रहा है कि गेंद उंगलियों से निकलकर जमीन से टकराई है, इसलिए यह सही फैसला है।

खिलाड़ियों की आलोचना से निपटने पीसीबी बना रहा नए नियम

एजेंसी

लाहौर । आलोचनाओं और विवादों में घिरा पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड इन ह्रअपुष्ट दावों और खबरों से निपटने के लिए एक नए मानहानि नियम का इस्तेमाल करने पर विचार कर रहा है। पाकिस्तान न्यूयॉर्क में अपने ग्रुप लीग चरण मैच में भारत और पदार्पण कर रहे अमेरिका से हारकर बाहर हो गया था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका में करीब 34 खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ और अधिकारियों के अलावा टीम होटल में 26 से 28 पारिवारिक सदस्य भी मौजूद थे। इन सदस्यों में पत्नियां, बच्चे, माता-पिता और यहां तक कि भाई बहन भी

शामिल थे। रिपोर्ट के अनुसार बाबर आजम, हारिस राऊफ, शादाब खान, फखर जमां और मोहम्मद आमिर उन खिलाड़ियों में शामिल थे जिनके परिवार के सदस्य उनके साथ अमेरिका गये थे। बाबर शादीशुदा नहीं हैं जिससे टीम होटल में उनके माता-पिता और भाई रूके हुए थे। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार ह्रपरिवार को ले जाने से जो अतिरिक्त खर्चा हुआ, उसका भुगतान निश्चित रूप से खिलाड़ियों द्वारा किया गया लेकिन परिवार के सदस्यों के साथ होने से खिलाड़ियों के फोकस पर असर पड़ता है। एक रिपोर्ट में कहा गया, ह्रटीम जहां रूकी थी, वहां टीम के साथ यात्रा कर रहे अन्य लोगों को ठहराने के लिए करीब 60 कमरे बुक किए गए थे। वहां पारिवारिक माहौल था जिसमें कुछ खिलाड़ियों के लिए ह्रटेक अवे डिनर और बाहर जाना सामान्य था। पूर्व टेस्ट विकेटकीपर अतीक उज जमां ने कहा कि वह समझ सकते हैं कि खिलाड़ियों को ह्रलो प्रोफाइल या द्विपक्षीय दौरों पर अपने साथ परिवार की जरूरत होती है। लेकिन विश्व कप जैसे बड़े टूनार्मेंट में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को इसकी अनुमति नहीं देनी चाहिए थी।

सचिन ने नहीं किया तंबाकू कंपनी का प्रचार

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के पूर्व स्टार बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने हाल ही खुलासा किया कि उन्होंने अपने पिता से तंबाकू कंपनी का प्रचार नहीं करने का वादा पूरी तरह से निभाया। सचिन ने एक इंटरव्यू में कहा था कि एक बार उन्हें एक कंपनी एक कंपनी ब्लैंक चेक दे रही थी। इसके बावजूद उन्होंने इस चेक को लेने से इंकार कर दिया था। सचिन ने इसके पीछे का कारण भी बताया। दरअसल, सचिन तेंदुलकर ने एक इवेंट में बात करते हुए कहा था,ह्र मैंने अपनी स्कूलिंग के दौरान क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया था। मेरे पास तभी से कई प्रमोशनल ऑफर

आने लगे थे। कई तंबाकू कंपनी ने मुझे प्रचार उनका प्रचार करने के लिए कहा था लेकिन मैंने कभी भी इसे नहीं किया। क्योंकि मैंने अपने पिता से प्रॉमिस किया था कि मैं कभी भी तंबाकू प्रोडक्ट्स का विज्ञापन नहीं करूंगा।ह्र सचिन ने कहा था कि मैंने कई तंबाकू कंपनियों के ऑफर रिसीव जरूर किए थे। लेकिन मैंने कभी भी उसे एक्सेप्ट नहीं किया। यहां तक कि वो मुझे ब्लैंक चेक भी देते थे लेकिन मैंने कभी भी इन चेक्स को स्वीकार नहीं किया। मेरे पिता ने कहा था तुम रोल मॉडल हो जिस चीज को तुम फॉलो करोगे दुनिया उसे फॉलो करेगी। इसलिए मैंने आज तक किसी भी तंबाकू प्रोडक्ट्स का प्रचार नहीं किया।ह्र

बता दें कि सचिन ने तो कभी नहीं लेकिन सुनील गावस्कर, कपिल देव और वीरेंद्र सहवाग जैसे दिग्गज पान मसाला प्रोडक्ट्स का प्रचार कर चुके हैं। गौतम गंभीर ने इसके लिए उन्हें लताड़ भी लगाई थी। क्रिकेट के मैदान पर ये सभी खिलाड़ी कमाल के रहे हैं।

रांची में होगा खिलाड़ियों का जुटान : संजय सेठ

- केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने की घोषणा
- सांसद खेल महोत्सव के माध्यम से जुटेंगे लोकसभा के खिलाड़ी
- 2036 में झारखंड की सशक्त भागीदारी होगी सुनिश्चित

रांची। रांची में सांसद खेल महोत्सव 2024 का आयोजन 20, 21 और 22 सितंबर 2024 को किया जाएगा। रांची लोकसभा क्षेत्र स्तरीय होने वाले इस महोत्सव में दर्जन भर खेल शामिल होंगे। इसका आयोजन का उद्देश्य 2036 में भारत में होने वाले ओलंपिक में झारखंड से अधिक से अधिक खिलाड़ियों की भागीदारी सुनिश्चित करना है। इस निमित्त आयोजित बैठक में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सह स्थानीय सांसद श्री संजय सेठ ने तैयारी का जायजा लिया। यह महोत्सव झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित किया जाएगा। केंद्रीय राज्य मंत्री ने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का सपना है कि 2036 में होने वाले ओलंपिक में भारत के खिलाड़ी अधिक से अधिक पुरस्कार जीतें। अपनी सशक्त भागीदारी निभाएं। प्रधानमंत्री जी के इसी सपने को पूरा करने के उद्देश्य से रांची में 20, 21 और 22 सितंबर 2024 को संसद खेल महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य आयोजन मोराबादी मैदान, रांची विश्वविद्यालय मैदान के आसपास ही होगा। इस बार सांसद खेल महोत्सव में अधिक से अधिक महिला खिलाड़ियों की भागीदारी हो, इस तरफ भी विशेष तैयारी की जा रही है। नए खिलाड़ियों को भरपूर अवसर दिया जाएगा।

ये खेल होंगे शामिल

एथलेटिक्स, वुशु, फेंसिंग, कुश्ती, कबड्डी, मालखम्ब, तिरंदाजी, महिला क्रिकेट, महिला फुटबॉल, महिला हॉकी, योग, शतरंज, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल, सेपक टकरा, ताइक्वांडो।

बैठक में ये रहे मौजूद

पूर्व राज्यसभा सांसद श्री अजय मारु, झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव डॉ मधुकांत पाठक, संदीप वर्मा, चंचल भट्टाचार्य,संजीव वर्मा, एस के पांडे, जगदीश सिंह जग्गू, शिवेंद्र दुबे,मिथलेश कुमार सिंह, परमेश्वर महतो, रामप्रसाद, प्रभाकर वर्मा,संजय झा, आदित्य कुमार सिंह, एस डी सिंह रहे मौजूद।

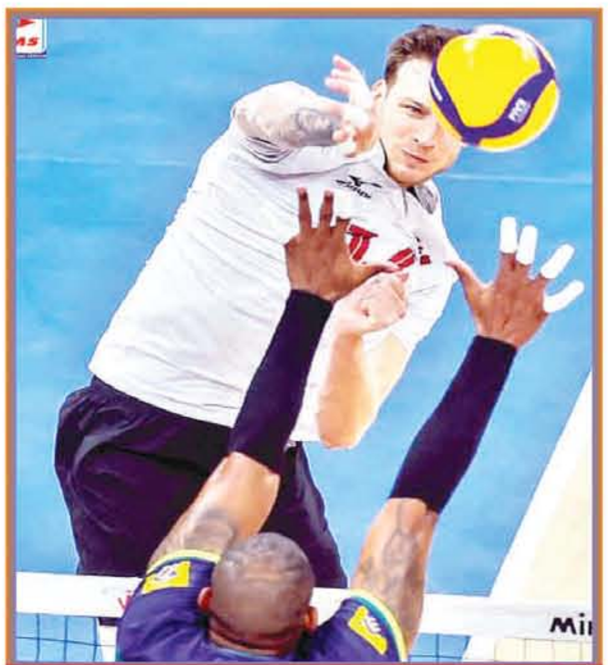

फिलीपींस के पासे शहर में पुरुषों की वॉलीबॉल नेशंस लीग 2024 में कनाडा और ब्राजील के बीच मैच के दौरान ब्राजील की योंडी लील हिडाल्गो के खिलाफ गेंद को स्पाइक करते हुए कनाडा के आर्थर स्ज्वार्क ।

गंगाजल घर में रखने के नियम

हिंदू धर्म शास्त्रों में गंगा को कलयुग का तीर्थ स्थान बताया गया है। इसे बहुत ही पवित्र और पूजनीय माना गया है। गंगा को पापमोचनी के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि ऐसा माना जाता है कि गंगा में डुबकी लगाने मात्र से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। इसी प्रकार घर में गंगाजल रखने का भी विशेष महत्व माना गया है, लेकिन इसकी पवित्रता को बनाए रखने के लिए कुछ नियमों का ध्यान रखा जाना जरूरी है।

इस दिशा में रखें गंगाजल

घर में गंगाजल को रखने के लिए सबसे अच्छा स्थान ईशान कोण यानी घर की उत्तर-पूर्व दिशा को माना गया है। वहीं आप घर के पूजा स्थान या मंदिर में भी गंगाजल रख सकते हैं। क्योंकि इन स्थानों पर देवी-देवताओं का वास माना जाता है।

बनी रहेगी सुख-शांति

घर में समय-समय पर गंगाजल का छिड़काव करते रहना चाहिए। ऐसा करने से गृह क्लेश की स्थिति भी शांत होती है। साथ ही इससे घर में मौजूद नकारात्मकता का भी नाश होता है और सकारात्मक माहौल बन रहता है।

इन नियमों का रखें ध्यान

वास्तु के अनुसार, घर में गंगाजल को रखने के लिए हमेशा शुद्ध पत्र का इस्तेमाल करना चाहिए। कोशिश करें कि गंगाजल को किसी प्लास्टिक के बर्तन में न रखें। इसके लिए तांबे, पीतल, चांदी या फिर मिट्टी के पात्र का उपयोग करना बेहतर माना जाता है।

भूलकर भी न करें ये गलती

गंगाजल की पवित्रता को बनाए रखने के लिए कुछ नियमों का ध्यान रखना जरूरी है। इसे हमेशा साफ-सुथरे स्थान पर ही रखना चाहिए। गंगाजल को कभी भी अंधेरे स्थान पर न रखें। इसकी बजाय ऐसे स्थान का चुनाव करें जहां प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था हो। इस बात का भी ध्यान रखें कि हाथ में गंगाजल लेकर कभी भी झूठ नहीं बोलना चाहिए।

गुड़ का टुकड़ा जगा सकता है सोया भाग्य

आजकल चॉकलेट से मुहं मीठा कराया जाता है, लेकिन परपंरा तो किसी भी सफलता, शुभ, मांगलिक कार्य पर गुड़ से मुहं मीठा कराने की ही रही है। गुड़ खाने में तो मीठा है ही इसके गुण भी बहुत मीठे फल देते हैं। आप भी चाहें तो गुड़ के इन उपायों से अपनी किस्मत को बदल सकते हैं। विवाह होने में अडचने आ रही हैं या नौकरी के लिए दर-दर भटकने के बाद भी रोजगार नहीं मिल रहा है या ऐसे कई समस्याएं हैं जिनका समाधान गुड़ से किया जा सकता है।

- सबसे पहले तो अगर आपकी कुंडली में सूर्य कमजोर है, तो अपने दिन की शुरुआत रोजाना थोड़ा सा गुड़ खाकर पानी पीने के साथ करें। इसके साथ ही रविवार के दिन से अगले 8 दिनों तक 800 ग्राम गेहूं और 800 ग्राम गुड़ मंदिर में अर्पित करें। सूर्य मजबूत होगा।

- आर्थिक स्थिति लगातार कमजोर होती जा रही है, तो गुड़ पैसों की तंगी से छुटकारा दिला सकता है। इसके लिए गुड़ का छोटा सा टुकड़ा लेकर लाल कपड़े में एक सिक्का के साथ बांध दें। इसके बाद इसे मां लक्ष्मी की तस्वीर के सामने रख दें। रोजाना विधिवत पूजा करें। पांचवें दिन मां दुर्गा की आराधना करने के बाद इस कपड़े को उठा लें और अलमारी, तिजोरी या फिर आप जहां पैसे रखते हैं, उस स्थान में रख दें।

- लगातार कर्ज के बोझ में दबते जा रहे हैं, तो एक पीले कपड़े में 7 गांठ हल्दी और थोड़ा सा गुड़ का टुकड़ा लेकर बांध दें। इसके बाद इसे उस स्थान पर रख दें, जहां पर पैसे रखते हो। रखने के 21 दिन बाद इस पीले कपड़े में बंधा सारा सामान बहते हुए पानी में प्रवाहित कर दें। ऐसा करने से कर्ज से मुक्ति मिल जाएगी।

- विवाह के योग नहीं बन रहे हैं, तो गुड़ का उपाय किया जा सकता है। इसके लिए हर गुरुवार आटे की लोई में थोड़ा सा गुड़, घी और हल्दी डालकर गाय को खिला दें। करीब 7 गुरुवार ऐसा करने से व्यक्ति का विवाह जल्द हो जाएगा।

- नई नौकरी की तलाश कर रहे हैं लेकिन बार-बार असफल हो रहे हैं या फिर मौजूदा नौकरी में पदोन्नति चाहते हैं, तो रोजाना पहली रोटी गाय के लिए निकाल लें और इसमें थोड़ा सा गुड़ रखकर खिला दें। ऐसा रोजाना करने से कुछ ही दिनों में आपको गुड न्यूज मिल जाएगी।

- अगर आप किसी इंटरव्यू के लिए जा रहे हैं, तो घर से निकलते समय रास्ते में किसी गाय को आटा या गुड़ खिलाने से काम में सफलता हासिल होती है।

महिलाओं के लिए फैशन हैक्स

कई बार महिलाएं जब घर से बाहर जाती है, तो उन्हें किसी न किसी वजह से शर्मसार होना पड़ता है। कुछ महिलाओं को घर से बाहर निकलने पर पीरियड्स के कारण होने वाले ब्लड फ्लो की वजह से कपड़े पर लाल धब्बे दिखने लगते हैं या फिर ब्रा की स्ट्रिप नजर आती है, तो वहीं कुछ महिलाओं की क्लीवेज दिखने लगती है। ऐसे में उन्हें शर्मिंदगी महसूस होती है उन्हें यह बोलकर टोक देते हैं कि जब पहनना नहीं आता तो क्यों पहनती हो।

फैशन हैक्स :- फैशन को लेकर अधिकतर महिलाए परेशान रहती है और उनका कॉन्फिडेंस कम होने लगता है। अगर आप भी इन सब चीजों से परेशान है, तो यह खबर आपके लिए लाभदायक हैं। आज हम आपको कुछ ऐसे फैशन बताएंगे, जिनकी मदद से आप किसी भी स्थिति में अपने आप को शर्मिंदगी से बचा सकते हैं।

पीरियड पैंटी :- सबसे पहले पीरियड होने पर आप पीरियड पैंटी का इस्तेमाल कर सकते हैं, यह साधारण पैंटीज की तरह होती है। लेकिन इससे लीकेज की संभावना न के बराबर होती है। अगर आपका पीरियड्स के दौरान ज्यादा फ्लो होता है, तो आप इसे ट्राई कर सकती हैं। इससे आपके कपड़ो पर धब्बे भी नहीं लगेंगे।

स्वेट पैड्स का इस्तेमाल :- गर्मी के मौसम में अधिकतर लड़कियां पसीने की वजह से परेशान हो जाती है, ऐसे में उनके कपड़ों पर पसीने के निशान दिखाई देते हैं और उनके शरीर से बदबू आने लगती है। इस स्थिति में आप स्वेट पैड्स का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह आपके लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। इसकी मदद से महिलाओं को शर्मिंदगी का सामना भी नहीं करना पड़ेगा।

डबल साइड टेप :- कई बार ब्रा की फिटिंग को लेकर महिलाओं को परेशानी होती है, ड्रेस पहनने पर भी निपल्स दिखाई देने लगते हैं। यही नहीं फॉर्मल शर्ट पहनने पर गलत फिटिंग की वजह से शर्ट के बटन के बीच में अजीब सा गेम दिखाई देता है। ऐसे में लड़कियां शर्मिंदगी महसूस करती है। इससे बचने के लिए आप डबल साइड टेप अपने पास रखें। यह आपको इन सब चीजों से बचाने में मदद करेगी।

हील कुशन :- अगर आपकी हाइट छोटी है और आप ज्यादा हिल्स पहनती है, तो अपने पास हील कुशन जरूर रखें। इन्हें अगर आप जूते और हिल्स के साथ रखती है, तो इससे आपकी हाइट बढ़ेगी और आराम मिलेगा।

फिटकरी का इस्तेमाल :- कई बार महिलाएं रेजर और सेफ्टी पिन का इस्तेमाल करती है। ऐसे में उनके हाथ, पैरों से खून निकलने लगता है। इस स्थिति में आप फिटकरी का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसका इस्तेमाल करते ही आपकी ब्लीडिंग रुक जाएगी। जूते की वजह से पैरों से खून निकलने लगता है, तो भी आप फिटकरी का इस्तेमाल कर खून रोक सकते हैं।

क्या बेबी को खिला सकते हैं बाहर का खाना?

जैसे-जैसे बच्चा बड़ा होता है, उसे न्यूट्रिशियन की जरूरत होने लगती है। बच्चे के शुरुआती दो साल के दौरान उसे जो भी खाना खिलाया जाता है, उससे बच्चे का ब्रेन तैयार होता है। ऐसे में मांएं अक्सर यह सोचने लगती हैं कि बच्चे को सॉलिड फूड कब से देना चाहिए और उसे बाहर का खाना कब से खिलाना चाहिए?

छह महीने तक ऐसे रखें बच्चे का ख्याल

डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, बच्चा जब तक छह महीने का नहीं होता है, तब तक उसे मां का दूध ही पिलाना चाहिए। बच्चे को जरूरी न्यूट्रीशियंस और एनर्जी मां के दूध से ही मिल जाते हैं। जब बच्चा छह महीने का हो जाता है, तब उसे ज्यादा एनर्जी और न्यूट्रीशियंस की जरूरत होती है। ऐसे में महिलाएं अपने बच्चे को सॉफ्ट डाइट देना शुरू कर सकती हैं।

छह महीने के बच्चे को क्या खिलाएं?

अब सवाल उठता है कि जब बच्चा छह महीने का हो जाए, तब उसे क्या-क्या खिलाना चाहिए? जब बच्चा छह महीने का हो जाए, आप उसे दो-तीन चम्मच सॉफ्ट फूड जैसे दलिया, मसले हुए फल या सब्जियां दे सकते हैं। गौर करने वाली बात यह है कि यह डाइट दिन में सिर्फ दो बार देनी चाहिए। इस वक्त तक बच्चा भले ही मां का दूध पी रहा हो या नहीं, उसे ठोस आहार जरूर देना चाहिए। इससे ज्यादा देर करने पर बच्चे की सेहत को नुकसान हो सकता है। यह बात हमेशा याद रखें कि छह महीने का होने से पहले बच्चे को ठोस आहार, पानी, जूस या दलिया आदि कभी नहीं देना चाहिए, क्योंकि उसे जरूरी न्यूट्रीशियंस मां के दूध से ही मिल जाते हैं।

बच्चे को बाहर का खाना कब खिलाना चाहिए?

अब सवाल उठता है कि क्या छह महीने का होने के बाद बच्चे को ठोस आहार के साथ-साथ बाहर यानी बाजार का खाना खिला सकते हैं? डॉक्टरों की मानें तो इसका जवाब न है, क्योंकि बाहर का खाना बच्चे को नुकसान पहुंचा सकता है। छह महीने का होने के बाद कुछ लोग अपने बच्चे को बाहर के खाने का स्वाद देने लगते हैं। इससे बच्चे की तबीयत बिगड़ सकती है, क्योंकि उनका पाचन तंत्र बाहर का खाना पचाने लायक नहीं हो पाता है। इससे बच्चे की तबीयत बिगड़ सकती है। उसे लूज मोशन आदि की समस्या हो सकती है। जब तक बच्चा समझने और अपनी बात कहने लायक न हो जाए, उसे बाहर के खाने से दूर रखना चाहिए।

मिर्च की जलन ऐसे होगी दूर..

खाने का स्वाद हरी मिर्च बढ़ा देती है, लेकिन इसे काटना काफी मुश्किल भरा होता है। दरअसल, जब मिर्च ज्यादा तीखी होती है, तो उसकी वजह से हाथों में जलन होने लगती है। अगर गलती से मिर्च वाले हाथ शरीर के किसी दूसरे अंग पर लग गए तो हालत खराब होना एकदम तय है। आइए आपको ऐसे टिप्स बताते हैं, जिससे मिर्च काटने के बाद आपके हाथों में कभी भी जलन नहीं होगी। हालांकि, सबसे पहले जानते हैं कि आखिर मिर्च काटने के बाद जलन महसूस ही क्यों होती है? भले ही मिर्च काटने के लिए चाकू का इस्तेमाल करें या कैंची का। इसकी वजह क्या है?

इस वजह से होती है जलन

जानकारी के मुताबिक, मिर्च में एक रसायन होता है, जिनका नाम कैप्साइसिन है। मिर्च के तीखेपन के हिसाब से इस कैमिकल की मात्रा कम या ज्यादा रहती है। जब कोई चाकू या कैंची से मिर्च काटता है,तो यह कैमिकल स्किन के संपर्क में आने के बाद रिएक्शन देने लगता है। इसकी वजह से स्किन लाल हो जाती है और उस पर तेजी से जलन होने लगती है।

ग्लव्स पहनकर काटें मिर्च

आजकल बाजार में प्लास्टिक के ग्लव्स आने लगे हैं, जिन्हें पहनकर मिर्च काटने से कैप्साइसिन कैमिकल का असर स्किन पर नहीं होता है और जलन भी नहीं होती है। इस तरह के ग्लव्स आप तमाम रेस्तरां में वेटर आदि को पहने हुए देख सकते हैं। ये सामान्य प्लास्टिक के बने होते हैं और इनकी कीमत भी काफी कम होती है।

अगर जलन हो रही है तो क्या करें?

अब सवाल उठता है कि अगर आपके पास ग्लव्स नहीं हैं और मिर्च काटने के बाद हाथों में जलन हो रही है तो क्या करना चाहिए? सबसे पहले आप फ्रिज से बर्फ का टुकड़ा ले लीजिए और उसे हाथों पर रगड़ लीजिए। बर्फ की ठंडक से हाथों में होने वाली जलन कम महसूस होती है, जिससे राहत मिलती है।

अजवाइन पाये जाते हैं औषधीय गुण

किचन में मौजूद कई प्रकार के मसाले आपको गंभीर बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं। इनमें से एक, अजवाइन सेहत के लिए बेहद फ़ायदेमंद है। अजवाइन के औषधीय गुण आपको कई प्रकार की बीमारियों से बचाते हैं। इसमें प्रोटीन, फ़ैट, खनिज, फाइबर और कार्बोहाइड्रेट भरपूर मात्रा में होता है, जो शरीर को स्वास्थ्य समस्याओं से बचाने में मदद करते हैं। अजवाइन का सेवन यदि आप रात में करते हैं तो आपको कई प्रकार के फायदे होते हैं।

पाचन सुधारने में सहायक

रात को सोने से पहले अजवाइन का सेवन करने से पाचन में सुधार होता है। पेट में हो रही गैस, कुपच, अपच, पाचन जैसी समस्याओं को दूर करने में अजवाइन की चाय आपकी मदद कर सकती है।

वजन घटाने में सहायक

यदि कोई वेट लॉस करना चाहता है तो उनके लिए अजवाइन चाय किसी वरदान से कम नहीं है। अजवाइन चाय मेटाबॉलिज़्म को बढ़ाती है। रात को सोने से पहले चाय का सेवन करने से फैट बर्न करने में भी मदद मिलती है।

डिटॉक्सिफिकेशन

शरीर से विषाक्त पदार्थों (टॉक्सिन) को निकालने के लिए यदि आप रात को सोने से पहले अजवाइन का सेवन करते हैं तो ये डिटॉक्सीफाई करने में मददगार साबित होती है।

तनाव कम करने में

अजवाइन चाय में मौजूद गुण तनाव और चिंता को कम करने में मदद कर सकते हैं। अजवाइन चाय का सेवन करने से नींद की गुणवत्ता में भी सुधार देखने को मिलता है।

सिरदर्द से छुटकारा पाने में

यदि आपको सिरदर्द की समस्या रहती है तो रात को सोने से पहले अजवाइन चाय का सेवन करने से इससे छुटकारा मिल सकता है।

साइकिल चलाने से कम होता है स्ट्रेस

साइक्लिंग एक अच्छी एक्सरसाइज मानी जाती है। साइकिल चलाने से आपकी मेंटल हेल्थ अच्छी होती है। जहां एक तरफ लोग भाग दौड़ भरी ज़िंदगी में हो रहे तनाव से जूझते हैं। वहीं दूसरी तरफ यदि आप रोजाना साइक्लिंग करते हैं तो आपको कई प्रकार के फायदे हो सकते हैं। साइकिल चलाने से कई गंभीर बीमारियों को दूर किया जा सकता है, इसके साथ ही सेहत और स्किन को भी कई फ़ायदे होते हैं। आइए जानते हैं साइकिल चलाने से कैसे शारीरिक और मानसिक रूप से लाभ मिलता है।

वजन घटाने में :- रोज़ाना साइकिल चलाने से आपको वजन कम करने में मदद मिलती है। पेट में जमा चर्बी को हटाने के लिए आप रोज़ाना साइक्लिंग की आदत डाल दीजिए, पेट का मोटापा कम करने के लिए साइकिल से अच्छी कोई एक्सरसाइज नहीं है। यदि आपके शरीर में बहुत अधिक मात्रा में फ़ैट जम रहा है तो आप साइक्लिंग करके इसे चुटकियों में घटा सकते हैं।

पैरों को मजबूत करने में :- रोज़ाना साइकिल चलाने से पैरों को मज़बूती मिलती है। साइकिल चलाने से आपके निचले शरीर में ओवरऑल सुधार होता है और इससे आपके ज्वाइंट पर दबाव भी नहीं पड़ता है। पैरों के मसल्स को मज़बूत करने में साइकिल आपकी मदद कर सकती है।

दिल का ध्यान रखने में :- साइकिल चलाने से बीमारियों को रोकने में मदद मिलती है। रोज़ाना साइकिल चलाने से दिल से संबंधित समस्याओं जैसे हार्ट दिल का दौरा और हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियां नहीं होतीं है। टाइप टू डायबिटीज को रोकने और कंट्रोल करने में भी आप साइकिल की मदद ले सकते हैं। नियमित रूप से साइकिल चलाने से लोगों को शुगर की बीमारी नहीं होती है।

स्किन के लिए फायदेमंद :- साइकिल चलाने से बहुत अधिक मात्रा में पसीना निकलता है, जिससे चेहरे पर चमक आती है। यदि आप रोज़ाना साइक्लिंग करते हैं तो आपकी स्किन ग्लो करने लगती है।

स्ट्रेस कम करने में :- साइक्लिंग एक ऐसी एक्सरसाइज बहुत ही आसान है और हर उम्र के लोग इसे कर सकते हैं। यदि आप रोज़ाना साइक्लिंग करते हैं तो आपको स्ट्रेस से भी मुक्ति मिलती है, दरअसल जब हम साइक्लिंग करते हैं तो हार्मोनल बदलाव होता है, जिससे शरीर में स्ट्रेस कम होता जाता है।

सुशांत सिंह राजपूत को लेकर बोलीं सारा

बी टाउन एक्ट्रेस के तौर पर सारा अली खान आज की समय में काफी पॉपुलर हैं। 6 साल पहले निर्देशक अभिषेक कपूर की फिल्म केदारनाथ से हिंदी सिनेमा में कदम रखने वालीं सारा ने पहली फिल्म में एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के साथ स्क्रीन शेयर की थी। बेशक सुशांत आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन बतौर दोस्त सारा के दिल में उनकी यादें आज भी जिंदा हैं। हाल ही में एक मीडिया इंटरव्यू के दौरान सारा अली खान ने सुशांत सिंह राजपूत को लेकर खुलकर बात की है और बताया है कि केदारनाथ के सेट पर वह किस तरह से एक्ट्रेस की मदद करते थे। बीते 14 जून को सुशांत सिंह राजपूत की चौथी डेथ एनिवर्सरी मनाई गई। इस दौरान सारा अली खान ने एक्टर के साथ अनसीन फोटो को शेयर किया था। अब एक खास बातचीत के दौरान उन्होंने सुशांत को लेकर बात की है। सारा ने कहा- केदारनाथ फिल्म के लिए मुझे जो कुछ भी मिला है वह सब (सुशांत सिंह राजपूत) उनकी ही देन है। सेट पर जब हमें अभिषेक कपूर (निर्देशक) कोई सीन करने को बोलते थे तो पहली फिल्म होने की वजह से मुझे कुछ समझ नहीं आता था तब सुशांत ही मेरी मदद करते थे। मेरी हिंदी फैंस को काफी अच्छी लगती है, खासतौर पर मेरा स्टाइल। इसमें सुशांत सिंह राजपूत का ही हाथ है। बदले में एक याद के तौर पर मैं उनको कुछ नहीं दे सकी। इस तरह से सारा अली खान ने केदारनाथ को-स्टार को लेकर अपनी राय रखी है। अपनी डेब्यू मूवी में ही सारा अली खान ने शानदार एक्टिंग की छाप छोड़ी और आलम ये रहा कि केदारनाथ सफल साबित हुई। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने करीब 66 करोड़ का कारोबार किया था, जबकि वर्ल्डवाइड कमाई का ये आंकड़ा 97 करोड़ का था।

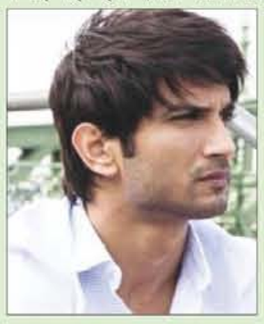

सोनाक्षी की मेहंदी सेरेमनी की फोटो वायरल

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा का नाम इस समय अपनी शादी को लेकर लगातार सुर्खियां बटोर रहा है। वह अपने लॉन्ग टाइम ब्वॉयफ्रेंड और फिल्म अभिनेता जहीर इकबाल के साथ जल्द ही जीवन की एक नई पारी की शुरुआत करने जा रही हैं। इससे पहले इस कपल के प्री वेडिंग फंक्शन का आगाज हो गया है। सोशल मीडिया पर सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की मेंहदी सेरेमनी की लेटेस्ट तस्वीर सामने आई है। जिनमें होने वाले दूल्हा दुल्हन के चेहरे पर शादी की खुशी साफ झलक रही है।

21 जून यानी शुक्रवार से सोनाक्षी सिन्हा के प्री वेडिंग फंक्शन की शुरुआत हो गई है। मेंहदी सेरेमनी के साथ इनका आगाज हुआ है और एक्ट्रेस ने अपने हाथों में जहीर इकबाल के नाम की मेंहदी भी लगवाई है। इस दौरान की लेटेस्ट तस्वीर को सोनाक्षी और जहीर के करीबी दोस्त जफर अली मुंशी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर स्टोरी में साझा किया है। इस तस्वीर में आप देख सकते हैं कि सोनाक्षी और जहीर मेंहदी सेरेमनी में शामिल अपने तमाम दोस्त और करीबियों के साथ फोटो पोज देते हुए दिख रहे हैं। इसके अलावा फंक्शन में मौजूद तमाम दोस्तों ने भी अपने हाथों में मेंहदी लगवाई है। जिसका अंदाजा आप इस तस्वीर को देखकर लगा सकते हैं। बता दें कि मुंबई में सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की शादी की ग्रैंड फंक्शन रखा जाएगा। जिसमें हिंदी सिनेमा के तमाम फिल्मी सितारों के आगे की उम्मीद है।

जब मुकेश खन्ना पर लगा फ्लॉप का ठप्पा

लंबी कद-काठी और रौबीली आवाज के लिए मशहूर मुकेश खन्ना ने भले ही कई बड़ी फिल्मों में काम किया, लेकिन उन्हें लोकप्रियता महाभारत में भीष्म के किरदार से मिली। फिर उन्होंने शक्तिमान बनाई और खुद को इस किरदार में ऐसे ढाला कि वह आज भी इसी नाम से जाने जाते हैं। 23 जून 1958 को बॉम्बे (मुंबई) में जन्मे मुकेश खन्ना का रुझान बचपन से ही अभिनय की ओर रहा। कॉलेज में वह नाटकों में पार्टिसिपेट किया करते थे। जब वह इंडस्ट्री में आये तो उनका डायलॉग बोलने का तरीका और कद-काठी देख लोग हमेशा उनकी तुलना अमिताभ बच्चन से किया करते थे। प्रसार भारती को दिए एक पुराने इंटरव्यू में खुद मुकेश खन्ना ने इस बारे में बात की थी। उन्होंने बताया था कि वह शुरू में खुद को साबित करना चाहते थे, लेकिन करियर उड़ान भरने से पहले ही क्रैश हो गई। उनकी चार-पांच फिल्में फ्लॉप हो गईं। उन्होंने कहा था कि हर नए एक्टर्स के साथ ऐसा होता है कि लोग उसकी तुलना पहले से किसी स्टैबलिश्ड एक्टर्स से करते हैं लेकिन जब उनकी फिल्में चलने लगती हैं तो उसे उनके नाम से जानने लगते हैं।

बाथटब में किताब लेकर पढ़ती नजर आईं कनिका मान

कनिका मान इस समय थाईलैंड में अपनी छुट्टियां मना रही हैं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपने इस वेकेशन की खूबसूरत तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं जिन्हें देख कर फैंस एक्ट्रेस तारीफ कर पाने से खुद को रोक नहीं पा रहे हैं। कनिका मान थाईलैंड के Loylum Eco Villa में ठहरी हुईं हैं, जो बैंकॉक से सिर्फ 200 किलोमीटर दूरी पर है। ये खूबसूरत लोकेशन देखने के बाद आप भी इसी जगह घूमने का प्लान बना लेंगे। समुंद्र से घिरा सुंदर विला। कनिका ने सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और अपनी इस ट्रिप की तस्वीरों के जरिए अपने फैंस को अपनी हर खबर दे रही हैं। उन्होंने बाथटब में पोज़ करते हुए कुछ खास तस्वीरें शेयर की हैं। एक तस्वीर में तो उन्हें फुल ड्रेसअप में बाथटब में किताब पढ़ते देखा जा सकता है। कनिका नीले रंग की बिकिनी स्टाइल ड्रेस में नजर आ रही हैं। हाथों में किताब के साथ पोज़ दिया है। वुडेन बाथटब में उनका ये अंदाज फैंस पसंद कर रहे हैं। एक्ट्रेस ने ऐसी कई सारी तस्वीरें शेयर की हैं। हालांकि अभी ये कन्फर्म नहीं है कि एक्ट्रेस यहां किसी खास दोस्त के साथ पहुंची हैं या सोलो ट्रिप पर हैं।

बोल्ड लुक से दिशा ने चुराया दिल

बी टाउन की खूबसूरत एक्ट्रेस दिशा पाटनी अपनी अदाओं से लोगों का दिल जीतना नहीं भूलतीं। अक्सर अपने स्टाइल स्टेटमेंट को लेकर अपडेटेड रहने वालीं दिशा सोशल मीडिया पर एक से बढ़कर एक तस्वीरें शेयर करती हैं। एक्ट्रेस ने एक बार फिर अपनी कातिलाना अदाओं से फैंस के दिल की धड़कन बढ़ाई है। दिशा पाटनी इन दिनों अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर सुर्खियों में छाई हुई हैं। इसी के साथ हमेशा की तरह इस बार भी उन्होंने अपने फैशन स्टेटमेंट से लाइमलाइट बटोरी है। दिशा ने हाल ही में एक इवेंट में शिरकत की। यहां वह इतनी खूबसूरत बनकर पहुंचीं कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे। छोटी सी ब्लैक कलर ड्रेस पहन दिशा ने यहां भी अपनी अदाओं का जादू चलाया। अपने लुक को पूरी तरह से हाइलाइट करने के लिए एक्ट्रेस ने एक्सरसरीज के नाम पर कंगन और ईयररिंग्स पहनीं। दिशा पाटनी ने अपने लुक में चार चांद लगाने के लिए हैवी मेकअप न करते हुए मिनिमम मेकअप किया। एक्ट्रेस ने बालों को खुला रखा। एक्ट्रेस ने अपने इस बोल्ड लुक से लोगों का खूब दिल चुराया है। सोशल मीडिया पर लोग उनकी ब्यूटी की तारीफ करते नहीं थक रहे। दिशा की प्रोफेशनल लाइफ की बात करें, तो फैंस उन्हें 'कल्कि 2898 एडी' फिल्म में देखेंगे। एक्ट्रेस की ये मूवी प्रभास , दीपिका पादुकोण और अमिताभ बच्चन के साथ होगी। 'कल्कि 2898 एडी' 27 जून को वर्ल्डवाइड रिलीज हो रही है। फिल्म का प्रमोशन स्टार्ट हो चुका है।

करण जौहर की फिल्म 'किल' में होगा जबरदस्त एक्शन

बॉलीवुड फिल्मकार करण जौहर की फिल्म किल में जबरदस्त एक्शन देखने को मिलेगा। धर्मा प्रोडक्शंस, जो परंपरागत रूप से अपने रोमांटिक ड्रामा और पारिवारिक-उन्मुख फिल्मों के लिए जाना जाता है, ने अपने सामान्य शैली से हटकर 99 मिनट की थ्रिलर किल का निर्माण करके एक साहसिक कदम उठाया है। इस नई फिल्म में जबरदस्त एक्शन और खून-खराबा है, जो धर्मा की बहुमुखी प्रतिभा और कहानी कहने के विभिन्न रूपों को तलाशने की इच्छा को दर्शाता है। करण जौहर ने कहा, किल अपनी तरह की पहली फिल्म है। हम परंपरागत रूप से प्रेम कहानियां और ड्रामा बनाते हैं। यह एक शैली की फिल्म है, जो 99 मिनट की है। धर्मा प्रोडक्शंस के सीईओ अपूर्व मेहता ने कहा कि हमने फिल्म किल के साथ वह सब कुछ किया है जो हमने इतने सालों में नहीं किया। किल का निर्माण गुनीत मोंगा कपूर की सिख्या एंटरटेनमेंट द्वारा भी किया गया है और यह उनकी पहली एक्शन फिल्म भी है। गुनीत मोंगा ने कहा कि यह मेरी पहली बार की पागलपन भरी एक्शन फिल्म है। यह भारत की सबसे हिंसक और खूनी फिल्म है। किल में लक्ष्य, तान्या मानिकतला और राघव जुयाल मुख्य भूमिका में हैं। निखिल नागेश भट द्वारा निर्देशित एक्शन फिल्म किल का निर्माण करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन और गुनीत मोंगा कपूर की सिख्या एंटरटेनमेंट द्वारा किया जा रहा है। यह फिल्म 05 जुलाई को रिलीज होने वाली है।

प्रियंका ने बेटी के साथ साझा की फोटो

सुसिद्ध अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा इस समय अपनी आगामी रिलीज "द ब्लफ" की शूटिंग के लिए ऑस्ट्रेलिया में हैं और अपनी ढाई साल की बेटी मालती के साथ सेट पर अपने 'जीवन की झलकियां' साझा करती रहती हैं। प्रियंका ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक रील साझा करते हुए हाल ही में अपने प्रशंसकों को एक एक्शन सीक्वेंस के दौरान लगी चोटों की एक झलक दिखाई। उन्होंने अपने फिजियोथेरेपी सत्र में उनकी मेकअप टीम द्वारा बनाई गई नकली चोटों और उनकी बाहों और चेहरे पर लगी वास्तविक चोटों की की तस्वीर साझा की। उन्होंने रील में अपनी बेटी के साथ प्यारे पलों को भी दिखाया है जिसमें उन्हें एक-दूसरे का हाथ पकड़ते हुए, खाना खाते हुए और साथ में संगीत का आनंद लेते हुए दिखाया गया है।

कंगना ने अन्नू कपूर को दिया जवाब

अन्नू कपूर हाल में अपनी फिल्म 'हमारे बारह' के लिए एक प्रेस कांफ्रेंस में शामिल हुए थे। इस दौरान एक्टर से जब कंगना रनौत के थप्पड़ विवाद से जुड़ा सवाल किया गया। लेकिन अन्नू के जवाब ने सभी को हैरान कर दिया। अन्नू कपूर ने कुछ ऐसा कह दिया जिसे प्रेस कांफ्रेंस में बैठे लोग तो हंस पड़े। लेकिन अब एक्ट्रेस को ऐसे शब्द रास नहीं रहे और उन्होंने पलटवार किया है। कंगना ने खुद को सक्सेसफुल महिला बताते हुए अपनी बात रखी है। दरअसल, फिल्म हमारे बारह की प्रेस कांफ्रेंस के दौरान जब अन्नू कपूर से कंगना रनौत को CISF कर्मी द्वारा थप्पड़ मारे जाने पर सवाल किया था। इसके जवाब में एक्टर ने कहा था- 'ये कंगना जी कौन हैं? कोई बड़ी हीरोइन हैं? सुंदर हैं?' अब इसके जवाब में कंगना रनौत सामने आई हैं। एक्ट्रेस ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में बयान वाला वीडियो क्लिप शेयर करते हुए लिखा - 'क्या आप अन्नू कपूर जी से सहमत हैं कि हम एक सफल महिला से नफरत करते हैं, अगर वह सुंदर है तो उससे ज्यादा नफरत करते हैं और अगर वह पावरफुल है तो उससे और भी ज्यादा नफरत करते हैं? क्या यह सच है?'

सना खान ने शेयर किया क्रिप्टिक पोस्ट

बिग बॉस ओटीटी शुरू होने में बस कुछ ही घंटे बाकी हैं। फैंस को टीवी के इस विवादित शो का ब्रेसब्री से इंतजार है, क्योंकि इसमें उन्हें बहुत सारा मसाला और गॉसिप मिलता है। इसके कुछ फाइनल कंटेस्टेंट की बात करें तो इनमें साई केतन राव, चंद्रिका दीक्षित उर्फ वड़ा पाव गर्ल का नाम आ रहा है। वहीं इस लिस्ट में सना सुलतान का भी नाम है। वहीं सना सुल्तान ने बिग बॉस शो में एंट्री से ठीक दो दिन पहले एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें वो अपनी सक्सेस और फेल्योर पर बात करती नजर आईं। पोस्ट के कमेंट्स में फैंस सना की सोच की तारीफ करते नजर आ रहे हैं। पोस्ट शेयर करते हुए सना ने लिखा, सक्सेस स्टोरी भी उन्हीं की सुनने में अच्छी लगती है, जो एक टाइम पर बड़ा फेल्योर रहा हो। सना के इस पोस्ट से साफ झलक रहा है कि वो जीवन की असफलताओं के बारे में बात कर रही हैं जिसके बारे में कोई जल्दी नहीं बोलता। हर कोई स्टार के अवॉर्ड्स और उसकी कामयाबी की ही चर्चा करता है। सना खान एक सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर हैं और उन्हें क्वीन खान के भी नाम से जाना जाता है। सना ने एक ब्लॉगर के तौर पर अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने साल 2014 से 2015 के बीच डबस्मैश वीडियो बनाने शुरू किया जब ये ऐप काफी ज्यादा वायरल हुआ करता था।

फूड ब्लॉगर ने उड़ाया स्वरा का मजाक

फेस और बॉडी फिगर को लेकर महिलाओं को अक्सर लोग जज करते हैं। एक लड़की की बात करते हुए दिमाग में तुरंत परफेक्ट फिगर, स्लिम वेस्ट जैसी तस्वीर आने लग जाती हैं। इन सभी वजहों से महिलाओं को अक्सर बॉडी शेमिंग का शिकार होना पड़ता है। ऐसा ही कुछ हुआ है अभिनेत्री स्वरा भास्कर के साथ। दरअसल बेटी के जन्म के समय स्वरा भास्कर बहुत ही ज्यादा मोटी हो गई थीं। उस समय की एक्ट्रेस की एक तस्वीर शेयर करते हुए एक सोशल मीडिया यूजर ने प्रेग्नेंसी वेट गेन पर एक्ट्रेस का मजाक उड़ाया है।

एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक फोटो कोलाज शेयर करते हुए फूड ब्लॉगर नलिनी उनागर ने कैप्शन में लिखा - इन्होंने क्या खाया? नलिनी ने स्वरा की दो फोटो शेयर की हैं। इनमें से एक फोटो स्वरा की शादी के समय की है, जिसमें वो बिल्कुल टोन्ड बॉडी में नजर आ रही हैं वहीं दूसरी तस्वीर प्रेग्नेंसी के समय की है जिसमें स्वरा के चेहरे पर फैट साफ तौर पर देखा जा सकता है।

नलिनी के इस पोस्ट पर स्वरा ने तुरंत रिएक्ट किया। उनका री-ट्वीट करते हुए स्वरा ने लिखा- 'नलिनी उसे बेबी होने वाला था। कुछ और बेहतर ट्राई करो'। बता दें कि ये नलिनी वही हैं जिनकी एक पोस्ट देखकर स्वरा इससे पहले भी भड़क गई थीं। कुछ समय पहले नलिनी ने अपनी फूड प्लेट की एक तस्वीर शेयर करके एक कैप्शन लिखा था जिसे देखकर स्वरा तमतमा गई थीं। नलिनी ने लिखा था -'मुझे शाकाहारी होने पर गर्व है। मेरी प्लेट आंसुओं, क्रूरता और पाप से फ्री है।'

बता दें कि स्वरा भास्कर ने समाजवादी पार्टी नेता फहद अहमद से पिछले साल फरवरी में शादी कर ली थी। इसके बाद अगले महीने मार्च 2023 में कपल ने हल्दी, मेहंदी और शादी के फंक्शन रखे थे। इसके बाद जून में स्वरा ने अनाउंस किया कि वो फहद के बच्चे की मां बनने वाली हैं। इसी साल सितंबर 2023 में उन्होंने अपने पहले बच्चे को जन्म दिया।

मेरठ के मोदीपुरम में बनेगा 'नमो भारत ट्रेन' का दूसरा डिपो

गजियाबाद (ब्यूरो)। दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ के बीच 'नमो भारत ट्रेन' के लिए एनसीआरटीसी आरआरटीएस कॉरिडॉर का दूसरा डिपो मोदीपुरम, मेरठ में तैयार कर रहा है। इसके अंतर्गत ट्रेन डिपो के साथ-साथ एक मेट्रो स्टेशन भी बनाया जा रहा है। यह डिपो आरआरटीएस कॉरिडॉर पर नमो भारत ट्रेन और मेरठ मेट्रो, दोनों के लिए ही तैयार किया जा रहा है।

मोदीपुरम का यह डिपो और मेट्रो स्टेशन मेरठ कृषि विश्वविद्यालय (सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय) कैंपस से लगभग 200 मीटर की दूरी पर बनाया जा रहा है। विश्वविद्यालय के ठीक पहले यहां से एक रेलवे लाइन गुजरती है, जिसे पार करने के लिए और मेट्रो स्टेशन तक यात्रियों की सुगम पहुंच के लिए एनसीआरटीसी एक एफओबी का निर्माण भी करने जा रहा है। रेलवे ट्रैक के दोनों तरफ स्टेशन के प्रवेश-निकास द्वार बनाए जा रहे हैं।

इसके अलावा मोदीपुरम डिपो स्टेशन को सुविधा के लिए मेरठ-हरिद्वार मुख्य मार्ग से भी जोड़ा जा रहा है, जिसके लिए एक 30 मीटर चौड़ी एप्रोच रोड का निर्माण किया जाएगा। इस प्रकार मोदीपुरम डिपो मेट्रो स्टेशन आस-पास के इलाकों से अच्छी तरह से जुड़ जाएगा। मोदीपुरम डिपो का स्टेशन एट-ग्रेड (भूमि पर) होगा। यात्रियों की सुविधा के लिए इस स्टेशन पर दो प्रवेश-निकास द्वार बनाए जाएंगे।

मोदीपुरम डिपो में ट्रेनों के लिए स्टेबलिंग लाइन का निर्माण भी किया जाएगा, जिनपर नमो भारत और मेरठ मेट्रो की कुल 34 ट्रेन खड़ी हो सकेंगी। इन ट्रेनों के लिए ऑटोमैटिक वॉशिंग प्लांट भी लगाया जाएगा, जिनसे ट्रेन की सफाई आदि की जाएगी। मोदीपुरम डिपो मे डिपो के सुचारु संचालन के लिए डिपो नियंत्रण केंद्र (डीसीसी) तैयार किया जाएगा। एक ट्रेन वर्कशॉप भी तैयार की जाएगी जहां पर नमो भारत और मेट्रो ट्रेन का रखरखाव किया जाएगा।

मेरठ मेट्रो के बनेंगे 13 स्टेशन

मेरठ मेट्रो के अंतर्गत मेरठ में कुल 13 स्टेशन बनाए जा रहे हैं, जिनमें से कई का निर्माण कार्य लगभग अंतिम चरण में है। कुछ स्टेशनों पर फिनिशिंग का कार्य तेजी से चल रहा है। मेरठ मेट्रो का संचालन आरआरटीएस के बुनियादी ढांचे पर ही किया जाएगा, जो देश में पहली बार हो रहा है। मेट्रो ट्रेन की सुविधा मेरठ साउथ स्टेशन से यात्रियों को मिलेगी और मोदीपुरम डिपो तक ट्रेन संचालित होगी। इस सेक्शन पर मेरठ सेंट्रल, भैंसाली और बेगमपुल स्टेशन अंडरग्राउंड हैं व बाकी स्टेशन एलिवेटेड हैं। इनमें से मेरठ साउथ, शताब्दी नगर, बेगमपुल और मोदीपुरम से नमो भारत ट्रेन की सुविधा भी यात्रियों को मिलेगी। अन्य स्टेशन केवल मेरठ मेट्रो के लिए होंगे। आरआरटीएस और मेरठ मेट्रो की पूरी परियोजना को अगले साल तक चालू करने का लक्ष्य निर्धारित है।

राहगीरों को बांटा मीटा शरबत, ब्रेड पकौड़े

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा पंजाबी एकता समिति द्वारा गुरु अर्जुन देव जी और निर्जला एकादशी एवं भीषण गर्मी में सेक्टर-10 मैन रोड पर विशाल भंडारा एवं ठंडे और मीठे शरबत की छबील लगाई गई। भंडारे में ब्रेड पकोड़े और मीठे और ठंडे दूध का शरबत वितरित किया गया।

इस विशाल आयोजन के दौरान संजय खत्री ने रिक्शावालों को धूप से बचाव के लिए चश्मे दिए। और राहुल सभरवाल ने आयोजन में आये बच्चों को बिस्किट के पैकेट का वितरण किया। अतुल मल्होत्रा द्वारा 200 दर्जन केलों का वितरण किया गया।

इस दौरान नोएडा पंजाबी एकता समिति के अध्यक्ष वीरेंदर मेहता, महासचिव नरेन्द्र चोपड़ा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनीत मेहता कोषाध्यक्ष गौरव चाचरा, उपाध्यक्ष नवीन सोनी,उपाध्यक्ष अतुल सहगल, उपाध्यक्ष सुभाष मेहता, सचिव बी. के. मेहता संरक्षक जसविंदर सिंह खोकर, संजय बाली, (सांसद प्रतिनिधि) एस.पी. आनंद, सतपाल सचदेवा, राजन ठुकराल, सुनील मेहता, अतुल मल्होत्रा, राहुल सभरवाल, अतुल मल्होत्रा, अश्वनी सदाना,अंतेश भंडारी,यश मेहता, पुनीत कपूर, राकेश खन्ना, डिम्पल आनंद,अतुल नागपाल,राजीव छाबड़ा के.के. अरोड़ा, विक्की कपूर, पवन विज,नरेन्द्र सचदेवा, चिराग कपूर, सुभाष जैन, सुमित मनचंदा, संजय खत्री और समस्त कार्यकारिणी सदस्यों ने अपना योगदान दिया।

नोएडा इस्कॉन में मनाया श्री जगन्नाथ स्नान यात्रा उत्सव

नोएडा (चेतना मंच)। इस्कॉन नोएडा में श्री जगन्नाथ, बलदेव और सुभद्रा का स्नान यात्रा उत्सव मनाया गया। पुरी में ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा के दिन 'स्नान पूर्णिमा' या 'स्नान यात्रा' के नाम से एक भव्य उत्सव मनाया जाता है।

आपको बता दें कि यह एक विशेष अवसर होता है, जब भगवान जगन्नाथ, बलदेव और सुभद्रा को अभिषेक समारोह में स्नान कराया जाता है। शास्त्रों में कहा गया है कि इस दिन भगवान जगन्नाथ के दर्शन करने से हमारे पूर्व कर्मों के सभी पाप धुल जाते हैं।

इस अवसर पर सुबह से भव्य स्नान यात्रा उत्सव मनाया जाएगा, जिसमें कीर्तन, प्रवचन, भगवान का पञ्चगव्य अभिषेक किया जाएगा। भगवान को 56 भोग अर्पित किए जाएंगे। स्नान के पश्चात भगवान वर्ष में केवल एक बार गज वेश में दर्शन देते हैं।

भगवान जगन्नाथ और भगवान बलराम को हाथी की सूँड और दाँतों से सुसज्जित अलंकृत पोशाक पहनाई जाती है। देवी सुभद्रा एक सुन्दर कमल के पुष्प का रूप धारण करती हैं। उत्सव के अन्त में सभी भक्तों को भरपेट प्रसाद परोसा जाएगा।

सांसद के सामने दर्ज कराया एनिमल सेंटर का विरोध

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-117 में नोएडा प्राधिकरण द्वारा प्रस्तावित ऐनिमल सेन्टर व अस्पताल को आवासीय भवनों से दूर शिफ्ट कराने के संबंध में सेक्टर-117 आरडब्ल्यू के पदाधिकारियों ने गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद डा. महेश शर्मा से मुलाकात की और आवासीय भवनों के पास ऐनिमल सेन्टर बनने से भविष्य में होने वाली परेशानियों से अवगत कराया।

आरडब्ल्यू सेक्टर-117 के अध्यक्ष एड. कोसिंदर यादव ने बताया कि सांसद द्वारा भी रिहाइशी इलाके के बिल्कुल नजदीक इस तरह के ऐनिमल सेन्टर के निर्माण को गलत बताया है, व आश्वासन दिया है कि इसके संबंध में प्राधिकरण के सक्षम अधिकारियों से बात कर इस दिशा में कार्यवाही करायेगें।

योग हर उम्र के लिए फायदेमंद : ओमवीर अवाना

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा नोएडा महानगर के द्वारा 'दसवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन स्मृति पार्क सेक्टर-72 नोएडा में हुआ। श्रावण कुमार ने इस कार्यक्रम में योग सिखाया और योग का महत्व सिखाया। इस कार्यक्रम में रवि यादव प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मौजूद रहे।

जिला अध्यक्ष किसान मोर्चा नोएडा महानगर ओमवीर अवाना ने मौजूद किसान और कार्यकर्ताओं से अपने विचार सांझा करते हुए कहा कि योग हर उम्र के लोगों के लिए फायदेमंद है, यह आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाता है। योग के दैनिक अभ्यास से बहुत सारे अतिरिक्त लाभ होते हैं, यह आपके लचीलेपन, मुद्रा में सुधार करता है, जोड़ों को स्वस्थ रखता है, रक्तचाप को कम करता है, मोटापे को नियंत्रित करता है।

इस कार्यक्रम में मुक्तानंद शर्मा महामंत्री, संदीप उपाध्याय उपाध्यक्ष, विजय अवाना जिला मंत्री, अभय त्यागी जिला कार्यालय प्रभारी, विष्णु शर्मा जिला मंत्री, सर्वेश जिला मंत्री, रविंद्र यादव जिला मंत्री, मुकेश शर्मा जिला सदस्य, प्रदीप शर्मा मंडल अध्यक्ष, संजीव पटेल मंडल अध्यक्ष, संतराम त्यागी मंडल मंत्री, सुमित मौजूद रहे।

एनडीआरएफ टीम को ओलम्पिक साईज स्वीमिंग पूल में दी जाएगी ट्रेनिंग

गजियाबाद (ब्यूरो)। गजियाबाद स्थित 8वीं वाहिनी एनडीआरएफ के कैम्पस में रैस्क्युअर के लिए ओलम्पिक साईज के स्वीमिंग पूल का शिलान्यास डॉ. अनुपम गौतम अध्यक्षा NWWA 8वी वाहिनी एनडीआरएफ के कर कमलों द्वारा किया गया।

वाहिनी कमाण्डेंट प्रवीण कुमार तिवारी ने बताया कि स्वीमिंग पूल बनाने का मुख्य उद्देश्य रैस्क्युअरों की कार्यक्षमता को बढ़ाने के लिए नियमित रूप से अभ्यास करवाना है साथ ही रैस्युअर राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न प्रतियोगिताओं की तैयारियों के लिए भी इसका भरपूर लाभ उठा सकेंगे। इस अवसर पर नीरज कुमार ठाकुर, वाहिनी द्वितीय कमान, तथा वाहिनी के अन्य अधिकारियों के साथ चन्द्र मौली तिवारी, मुख्य अभियन्ता, के.लो.नि.विभाग, तथा के.लो.नि.विभाग के अन्य गणमान्य सदस्य भी मौजूद रहे।